mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-05 अंक-74 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
18 मार्च 2025 मंगलवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

डब्लयूपीएल में जीत...
@ पेज 7

वैष्णो देवी की पवित्र यात्रा पर जाने वालों के लिये बनाये गये 14 सख्त नियम

मुंबई (एजेंसी)। माता वैष्णो देवी की यात्रा के लिए हर साल 10 मिलियन से ज़्यादा श्रद्धालु आते हैं। जम्मू के रियासी जिले में माता वैष्णो देवी तीर्थयात्रा के लिए आधार शिविर कटरा के

● हर साल 10 मिलियन से ज़्यादा आते हैं श्रद्धालु

एक होटल में कथित तौर पर शराब पीने के आरोप में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ओर्री के सहित आठ लोगों पर मामला दर्ज किया गया है। ऐसे में अगर आप भी वैष्णो देवी की यात्रा पर जा रहे हैं तो आपको इस पवित्र स्थल पर जाने के दौरान सख्त नियमों के बारे में पता होना चाहिए। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने यात्रा से संबंधित कुछ नियम बनाए हैं जो कटरा से पवित्र गुफा तक 12 किलोमीटर की यात्रा और आस-पास के इलाकों पर लागू होते हैं।

जानें क्या हैं वो 14 सख्त नियम: शराब न केवल कटरा में बल्कि अरली, हंसाली और मटियाल जैसे आस-पास के गांवों में भी प्रतिबंधित है। मांस, मुर्गी, समुद्री भोजन और अंडे, ये सभी कटरा में प्रतिबंधित हैं। तंबाकू उत्पाद - सिगरेट, बीड़ी, माचिस और अन्य नशीले पदार्थ बाणगंगा से आगे प्रतिबंधित हैं। बाणगंगा एक पवित्र पड़ाव है जहां कई भक्त अपनी यात्रा जारी रखने से पहले स्नान करते हैं। यहां से भवन में वैष्णो देवी मंदिर तक की यात्रा लगभग 12-13 किमी है। लाइटर, कैंची, खिलौना, कुल्हाड़ी, चाकू, कुल्हाड़ी, मवेशी के डंडे, लोहदंड, हथौड़े, ड्रिल और रेज़र-प्रकार के ब्लेड (सुरक्षा रेज़र को छोड़कर) जैसी वस्तुएं बाणगंगा से आगे प्रतिबंधित हैं। हथियार और विस्फोटक - गोला-बारूद, बीबी गन, संपीड़ित वायु बंदूकें, आग्नेयास्त्र, आग्नेयास्त्र के पुर्जे, पेलेट गन और हथियारों की यथार्थवादी प्रतिकृतियों पर सख्ती से प्रतिबंध है। ज्वलनशील पदार्थ - खाना पकाने के ईंधन, गैसोलीन और गैस मशालों को बाणगंगा से आगे ले जाने की अनुमति नहीं है। हानिकारक रसायन - निष्क्रिय करने वाले रसायन और अन्य खतरनाक पदार्थों पर प्रतिबंध है। वीडियो फिल्मांकन - वीडियो कैमरा/कैमकोर्डर मार्ग में प्रतिबंधित हैं; बाणगंगा से आगे फिल्मांकन की अनुमति नहीं है। नारियल - भवन में तलाशी स्थल से आगे ले जाने की अनुमति नहीं है। टोकन के बदले अपने नारियल मुख्य प्रतीक्षा कक्ष में जमा करें। भीख मांगने को प्रोत्साहित करना - भीख मांगना सख्त वर्जित है। संपत्ति को नुकसान पहुंचाना - पोस्टर चिपकाना, दीवारों पर लिखना या संपत्ति को नुकसान पहुंचाना दंडनीय अपराध है जिसके लिए जुर्माना और कारावास हो सकता है। गुफा के अंदर नारे लगाने की अनुमति नहीं है। कन्या पूजन (युवती लड़कियों की पूजा) - सख्त वर्जित है।

संक्षिप्त समाचार

भारत को लेकर चीन ने दिया रिएक्शन, कहा -दोनों देशों ने एक-दूसरे से सीखा

बीजिंग (एजेंसी)। चीन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भारत-चीन संबंधों पर 'सकारात्मक' टिप्पणी की सोमवार को सराहना की, जिसमें उन्होंने मतभेद के बजाय संवाद को तरजीह दी है। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने यहां एक प्रेसवार्ता में अमेरिकी पॉडकास्टर लेक्स फ्रीडमैन के साथ बातचीत में प्रधानमंत्री मोदी की टिप्पणियों पर एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि चीन ने, चीन-

भारत संबंधों पर प्रधानमंत्री मोदी के हालिया सकारात्मक टिप्पणी पर ध्यान दिया है और इसकी सराहना करता है। माओ ने कहा कि अक्टूबर में रूस के कजान में प्रधानमंत्री मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच सफल बैठक ने द्विपक्षीय संबंधों के सुधार और विकास के लिए रणनीतिक मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने महत्वपूर्ण आम सहमतियों पर गंभीरतापूर्वक अमल किया है, आदान-प्रदान को मजबूत किया है और सकारात्मक परिणाम प्राप्त किए हैं। उन्होंने कहा, ''मैं इस बात पर जोर देना चाहती हूं कि 2000 से अधिक वर्षों के आपसी संबंधों के इतिहास में दोनों देशों ने मैत्रीपूर्ण आदान-प्रदान बनाए रखा है÷ और दोनों देशों ने सभ्यतागत उपलब्धियों और मानव प्रगति में योगदान देते हुए एक-दूसरे से सीखा है। उन्होंने कहा कि दो सबसे बड़े विकासशील देशों के रूप में, चीन और भारत ने अपने विकास और पुनरोद्धार में तेजी लाने के कार्य को साझा किया है तथा एक-दूसरे की सफलताओं को समझते हैं और उनका समर्थन करते हैं।

भूटान पर टेढ़ी हुई ट्रंप की नजर, ट्रैवल बैन की है तैयारी

भूटान (एजेंसी)। अमेरिका का राष्ट्रपति बनने के बाद से डोनाल्ड ट्रंप लगातार कड़े फैसले ले रहे हैं। ट्रंप प्रशासन ने अब 43 देशों की एक सूची तैयार की है, जहां के लोगों पर ट्रैवल बैन लगाने का प्लान है। इस पूरी लिस्ट में तीन कैटिगरी हैं। पहली रेड,

दूसरी ऑरेंज और तीसरी येलो। रेड लिस्ट में उन देशों को रखा गया है, जहां के किसी भी व्यक्ति को अमेरिका में एंट्री नहीं मिल पाएगी। इस सूची में अफगानिस्तान, उत्तर कोरिया, ईरान, यमन, सोमालिया, सूडान और सीरिया जैसे देश शामिल हैं, जहां अशांति है या फिर अमेरिका से रिश्ते खराब हैं। हैरान करने वाली बात यह है कि इस सूची में एक देश भूटान भी है। भूटान का नाम रेड लिस्ट में होना बेहद चौंकाने वाला है। चलिए वो वजह जानते हैं जिसके चलते भूटान को रेड लिस्ट रखा जा रहा है। ट्रंप प्रशासन के सूत्रों का कहना है कि भूटान को इस लिस्ट में शामिल करने की कुछ वजहें हैं। ये वजहें हैं कि भूटान के लोग अमेरिका पहुंचकर अकसर वीजा नियमों का उल्लंघन करते हैं। वीजा में तय अवधि के बाद भी वो कई बार अमेरिका में बने रहते हैं। ऐसी स्थिति राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है। इसके अलावा अवैध चैनल से भी अमेरिका पहुंचने वाले भूटानियों की संख्या में इजाफा हुआ है, इससे भी अमेरिका चिंतित है। अमेरिका के डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी का कहना है कि बीते साल 37 फीसदी भूटानियों ने वीजा नियमों का उल्लंघन किया। अब रेड लिस्ट में डाले जाने के बाद भूटान के हर व्यक्ति को लंबी जांच से गुजरना होगा, जिसके बाद ही वीजा जारी होगा।

पीएम मोदी ने रायसीना डॉयलॉग का उद्घाटन किया

नासिक (एजेंसी)। पीएम मोदी ने सोमवार (17 मार्च) को रायसीना डायलॉग का उद्घाटन किया। इस दौरान न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टफर लक्सन भी उनके साथ नजर आए। इस कार्यक्रम में कुल 125 देशों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। रायसीना डायलॉग में शामिल होने के लिए एंटीगुआ और बारबुडा के विदेश मंत्री दिल्ली पहुंच चुके हैं। क्रिस्टफर लक्सन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हैं और कई अन्य देशों के विदेश मंत्री इस कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे हैं। तीन दिनों तक चलने वाले इस सम्मेलन का आयोजन 17 से 19 मार्च तक होगा। अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड और यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्रेई सिबिहा भी इस सम्मेलन के 10वें संस्करण में भाग लेने वालों में शामिल हैं। सम्मेलन का आयोजन विचारक संस्था 'ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन' द्वारा विदेश मंत्रालय के साथ साझेदारी में किया जा रहा है। विदेश मंत्रालय ने रविवार को बताया कि इस सम्मेलन में लगभग 125 देशों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। इसमें मंत्री, पूर्व राष्ट्राध्यक्ष, सैन्य कमांडर, उद्योग जगत की प्रमुख हस्तियां, प्रौद्योगिकी क्षेत्र के दिग्गज, शिक्षाविद, पत्रकार, सामरिक मामलों के विद्वान और प्रमुख विचारक संस्थाओं के विशेषज्ञ शामिल होंगे। अधिकारियों ने बताया कि 20 देशों के विदेश मंत्री इस विचार-विमर्श में भाग लेंगे।

इस व्यवस्था को लेकर संसद में गूंजा सवाल

मनरेगा में महिलाओं को हटाना पड़ेगा घूंघट, रेटिना स्कैन से होगी हाजिरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली-राजस्थान के बांसवाड़ा से लोकसभा सदस्य और भारत आदिवासी पार्टी के नेता राजकुमार रोत ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) से संबंधित एक व्यवस्था के तहत महिलाओं को रेटिना स्कैन के माध्यम से उपस्थिति दर्ज करानी होगी और ऐसे में उन्हें घूंघट हटाना पड़ेगा जो स्थानीय संस्कृति पर हमला है। रोत ने सदन में शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाया।

उन्होंने कहा, ÷यह हमारी संस्कृति रही है कि महिलाएं ससुर और जेठ समेत अपने से बड़े पुरुषों के सामने घूंघट करती हैं। लेकिन नरेगा योजना में तय किया गया है कि स्क्रीनिंग के लिए रेटिना स्कैन लिया जाएगा, जिसके तहत महिलाओं को अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए घूंघट हटाना होगा। यह नियम हमारी संस्कृति पर हमला करने के लिए लागू किया गया है।'' शून्यकाल के दौरान अन्य सांसदों ने भी अलग-अलग मामलों पर अपनी बात रखी। भाजपा के सांसद अरुण गोविल ने बैंकों में राशि जमा किए जाने में कथित तौर

पर गिरावट आने का विषय उठाया। उन्होंने कहा कि बैंकों को सिर्फ बैंकिंग संबंधी काम करने दिया जाए और उन्हें बीमा के काम से मुक्त किया जाए। कांग्रेस सांसद हिबी ईडन ने कहा कि गिग कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा की सुविधा मिलनी चाहिए। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) की नेता सुप्रिया सुले ने कहा कि सरकार को सुनिश्चित करना चाहिए कि आईडीबीआई बैंक का निजीकरण नहीं हो और वह जैसे चल रहा है, उसे उसी तरह संचालित किया जाता रहे। कांग्रेस सांसद गुरजीत सिंह औजला ने कहा कि पंजाब में ग्रेनेड हमले हुए हैं और केंद्र सरकार को सख्त कदम उठाने चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान विफल साबित हुए हैं।

'छत्रपति शिवाजी की सेना में एक भी सिपाही नहीं था मुसलमान'

महाराष्ट्र (एजेंसी)। महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री नितेश राणे के एक बयान ने सबको हैरान कर दिया है। पुणे में अपने भाषण के दौरान नितेश ने यह कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज की सेना में एक भी सिपाही मुसलमान नहीं था। इतिहास में लिखित तारीख के अनुसार, छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्म समारोह उनके जन्म स्थल जुन्नर के शिवनेरी किले में आज (सोमवार) मनाया गया। इसके उपलक्ष्य में महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री नितेश राणे भी यहां उपस्थित रहे। जहां नितेश के हाथों ही छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का पूजन और अभिषेक भी किया गया। इस मौके पर उपस्थित शिव भक्तों को संबोधित करते हुए नितेश राणे ने कहा, %हिंदवी धर्म के संस्थापक यह हमारे राजा शिवाजी महाराज की पहचान है। सब को यह बात बार-बार से बतानी चाहिए कि हमारे राजा को सेक्युलर राजा बनाने का कुछ लोगों का प्लान चल रहा है। उसे हमें कामयाब नहीं होने देना है।%

'जो लोग अपनी मातृभाषा में पढ़ाई करते हैं, वे दुनियाभर में सफल हो रहे'

भाषा विवाद पर बोले चंद्रबाबू नायडू

हैदराबाद (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने सोमवार को कहा कि जो लोग अपनी मातृभाषा में शिक्षा प्राप्त करते हैं, वे दुनिया भर में सफलता हासिल कर रहे हैं। नायडू ने कहा कि यह एक गलत धारणा प्रचलित है कि केवल अंग्रेजी भाषा में ही ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है।

विधानसभा में मुख्यमंत्री नायडू ने कहा, भाषा केवल संवाद का माध्यम है। ज्ञान भाषा से नहीं आ जाएगा। जो लोग अपनी मातृभाषा में पढ़ाई करते हैं, वे दुनिया भर में सफलता हासिल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मातृभाषा में शिक्षा हासिल करना आसान होता है।

नायडू की यह टिप्पणी उपमुख्यमंत्री और जनसेना प्रमुख पवन कल्याण द्वारा हाल ही में तमिलनाडु सरकार और केंद्र सरकार के बीच जारी भाषा विवाद पर टिप्पणी करने के बाद आई है। मुख्यमंत्री नायडू ने कहा, %मैं आपसे यह बहुत स्पष्ट रूप से कह रहा हूं। भाषा नफरत करने के लिए नहीं है। यहां (आंध्र प्रदेश में) मातृभाषा तेलुगु है। हिंदी 'राष्ट्रीय भाषा' है और अंतरराष्ट्रीय भाषा अंग्रेजी है।%

सीएम नायडू ने इस बात पर जोर दिया कि आजीविका के लिए मातृभाषा को भूले बिना अधिक से अधिक भाषाएं सीखना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि %राष्ट्रीय भाषा% सीखने से दिल्ली में हिंदी में

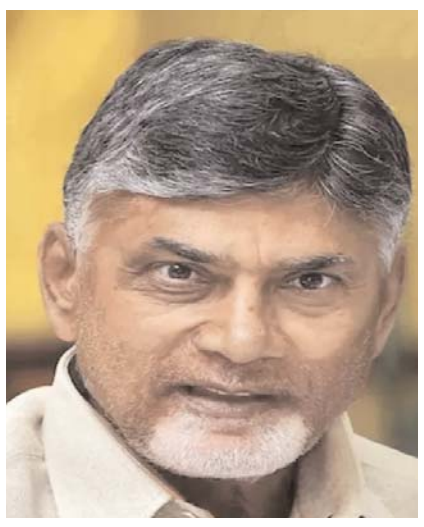

सहजता से बातचीत की जा सकती है। उन्होंने अपील की कि भाषाओं को लेकर अनावश्यक राजनीति में शामिल होने की कोई आवश्यकता नहीं है। इसके साथ ही नायडू ने अधिक से अधिक भाषाएं सीखने का भी आह्वान किया।

शादी के एक महीने बाद ही अलग हो गए थे

गोल्ड स्मगलिंग में फंसी एक्ट्रेस रान्या राव के पति ने कोर्ट में किया खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। गोल्ड स्मगलिंग मामले में फंसी अभिनेत्री रान्या राव के पति ने कोर्ट में खुलासा किया है कि शादी के एक महीने बाद ही वह रान्या से अलग रहने लगे थे। रान्या के पति जतिन हुक्केरी ने पहले ही कोर्ट में याचिका दायर कर इस मामले में अपनी गिरफ्तारी रोकने की मांग की थी। जतिन को सोना तस्करी से जुड़े मामले में गिरफ्तार किया गया था। कर्नाटक हाईकोर्ट ने अगली सुनवाई तक जतिन के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने का आदेश दिया था।

जतिन के वकील ने कोर्ट को बताया कि दोनों की शादी नवंबर में हुई थी, लेकिन कुछ कारणों के चलते दिसंबर से दोनों अनौपचारिक रूप से अलग रह रहे थे। राजस्व खुफिया निदेशालय के अधिकारियों का कहना है कि जतिन पर कार्रवाई न करने के कोर्ट के फैसले पर वह आपत्ति जाहिर करेंगे। हालांकि, यह अगली सुनवाई में (24 मार्च) ही हो सकता है। तब तक जतिन के खिलाफ पुलिस कार्रवाई नहीं करेगी।

जतिन हुक्केरी को डर था कि रान्या के साथ रिश्ता रखने के चलते सोना तस्करी

मामले में उसे भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। ऐसे में उसने कोर्ट में अपनी गिरफ्तारी के खिलाफ याचिका दायर की थी। 11 मार्च को कोर्ट ने जतिन के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करने का आदेश दिया था। सोना तस्करी करते हुए पकड़े जाने के बाद रान्या के पिता और आईपीएस अधिकारी रामचंद्र राव ने कहा था कि शादी के बाद से बेटी ने उनसे दूरी बना ली थी। इसके बाद इस मामले में पति जतिन हुक्केरी का नाम सामने आया था और जतिन ने कोर्ट में अपनी गिरफ्तारी रोकने के लिए याचिका दायर की थी।

मेरा हाल पूछती रहीं सोनिया गांधी और ममता बनर्जी

राज्यसभा में जगदीप धनखड़ ने खुद किया खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हृदय संबंधी बीमारियों के कारण 9 मार्च को एम्स में भर्ती किए जाने के बाद कांग्रेस की सोनिया गांधी और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सहित कई नेताओं ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के स्वास्थ्य की चिंता करते हुए उनके परिवार से संपर्क किया था। धनखड़ ने सोमवार को राज्यसभा में स्वयं यह खुलासा किया।

बता दें कि पश्चिम बंगाल का गवर्नर रहने के दौरान जगदीप धनखड़ और ममता बनर्जी के बीच कई बार गहरे मतभेद दिखते थे। ममता सरकार और गवर्नर हाउस के बीच यह मतभेद टकराव में भी बदलते दिखे थे लेकिन धनखड़ और सीएम ममता के निजी रिश्तों पर उसका कोई असर नहीं पड़ा। खुद उपराष्ट्रपति ने बताया कि ममता बनर्जी और सोनिया गांधी उनके अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान परिवार के संपर्क में रहीं।स्वास्थ्य में सुधार के बाद धनखड़ ने

सोमवार को पहली बार बजट सत्र के दूसरे चरण में सदन की कार्यवाही की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि विभिन्न दलों के नेताओं की ओर से व्यक्त की गई चिंताओं से वह बेहद अभिभूत हैं और इसी ने उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ में योगदान दिया। उन्होंने कहा, ''सदन के नेता जगत प्रकाश नड्डा और विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे मेरे परिवार से संपर्क करने वाले पहले व्यक्ति थे।'' उन्होंने कहा, ''सोनिया गांधी और पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने मेरी पत्नी से संपर्क किया।'' धनखड़ ने जब इस बात का जिक्र किया तब सोनिया गांधी सदन में मौजूद थीं।

धनखड़ को हृदय संबंधी बीमारियों के बाद 9 मार्च को राष्ट्रीय राजधानी के एम्स में भर्ती कराया गया था। उन्हें 12 मार्च को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी और पर्याप्त आराम करने की सलाह दी गई थी। धनखड़ ने राज्यसभा में सोमवार को कहा कि उनके स्वास्थ्य को लेकर सदस्यों की ओर से जताई गई चिंता उनके लिए एक 'बोध' है कि 'जब इस तरह की स्थिति आती है, तो हमारे दिल जुड़े होते हैं।'' उन्होंने कहा, ''यह मेरे लिए प्रेरणा और ज्ञान का स्रोत होगा।'' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अन्य लोगों ने अस्पताल में उनसे मुलाकात की और कुशल-क्षेम जाना। सभापति ने कहा कि कई अन्य लोग भी अस्पताल आना चाहते थे लेकिन प्रतिबंधों के कारण संभव नहीं हो सका। उन्होंने कहा, ''मैं (उन सभी के प्रति) अपना आभार व्यक्त करता हूं।''

पुणे में तेज रफ्तार का कहर, नशे में धुत कार चालकों ने कई गाड़ियों में मारी टक्कर

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे जिले में एक बार फिर तेज रफ्तार कार का कहर दिखा है। जहां दो अलग-अलग सड़क हादसे में शराब के नशे में धुत होकर कार चलाने से एक्सीडेंट हुआ है। तेज रफ्तार कारों ने अन्य गाड़ियों को अपना शिकार बनाया है। इन हादसों के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। पुणे शहर में हुए पहले हादसे में एक चालक ने कई सारी गाड़ियों को अपना निशाना बनाया। इसका वीडियो मौका-ए-वारदात पर मौजूद कुछ लोगों ने अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया। ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुणे के कोंडवा इलाके में हुए एक्सिडेंट करने वाली जीप के ऋषिह में रजिस्टर नंबर से उसके मालिक का नाम और पता पुलिस ने ढूंढ निकाला है।

भोपाल के 4 आयुष्मान आरोग्य मंदिर नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड सर्टिफाइड

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता के लिए दिए जाने वाले नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड के तहत भोपाल के 4 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का प्रमाणीकरण हुआ है। नेशनल हेल्थ सिस्टम रिसोर्स सेंटर द्वारा जारी प्रमाणीकरण में आयुष्मान आरोग्य मंदिर ईंटखेड़ी 86.60त्न, आयुष्मान आरोग्य मंदिर सूरजपुरा 84.07त्न, आयुष्मान आरोग्य मंदिर खजूरी सड़क 92.84त्न और आयुष्मान आरोग्य मंदिर रायपुर 85.82त्न अंकों के साथ क्वालीफाई हुए हैं। इन संस्थाओं का फरवरी माह में मूल्यांकन हुआ था। जिसमें संस्था के सभी रिकॉर्ड्स एवं रजिस्टर एवं मरीजों को दी जा रही सेवाओं के प्रोटोकॉल के बारे में जानकारी ली गई थी। साथ ही सामुदायिक चिकित्सा अधिकारी, एएनएम, आशा कार्यकर्ता से फील्ड के अनुभवों का फीडबैक एवं स्टाफ की क्षमता आकलन के लिए उनका साक्षात्कार भी लिया गया। मूल्यांकन के दौरान विभिन्न 7 सर्विस पैकेजेस की चेक लिस्ट अनुसार किया गया। जिसमें गर्भावस्था एवं शिशु स्वास्थ्य देखभाल, बाल्यावस्था और किशोर स्वास्थ्य सेवाएं, परिवार कल्याण सेवाएं, असंचारी रोग व संचारी रोग का उपचार एवं प्रबंधन, नवजात देखभाल सहित आउटरीच गतिविधियों एवं सभी राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की जानकारी ली गई थी।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी ने बताया कि जिले की सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। सभी संस्थाओं का संचालन क्वॉलिटी मानकों के अनुरूप किया जा रहा है।

उत्पादन क्षेत्र का योगदान 90 फीसदी बढ़ा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। बीते 10 सालों में राज्य सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में मैन्युफैक्चरिंग, बिजली, गैस -पानी की आपूर्ति से जुड़े कामों और निर्माण क्षेत्र का योगदान तेजी से बढ़ा है। निर्माण क्षेत्र का जीएसडीपी में योगदान लगभग तीन गुना हुआ है जबकि मैन्युफैक्चरिंग और बिजली-पानी सप्लाई से जुड़े क्षेत्र का हिस्सा दोगुना हुआ है। हाल ही में जारी 2024 -25 की आर्थिक सर्वे रिपोर्ट में ये आंकड़े सामने आए हैं। सेवा क्षेत्र में वृद्धि लगभग 167त्न की दर से हुई है। सर्वे के मुताबिक 10 सालों में मप्र में मैन्युफैक्चरिंग, बिजली-पानी सप्लाई से जुड़े उद्योग, निर्माण क्षेत्र के अलावा सर्विस सेक्टर के उद्योग जैसे व्यापार, होटल -रेस्त्रां, स्टोरेज-परिवहन, वित्तीय सेवाएं और कम्युनिकेशन से जुड़ी सेवाओं में तेजी से विकास हुआ है। साल 2015 -16 में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर का मप्र की अर्थव्यवस्था में योगदान 51912 करोड़ था, जो 2024 -25 में 1.01 लाख करोड़ हो गया है (अग्रिम बजट अनुमान के मुताबिक)। वहीं निर्माण क्षेत्र 43725 करोड़ से बढ़कर 1.29 लाख करोड़ हो गया है। निर्माण क्षेत्र की प्रगति और अधिक रही है और ये एक दशक में बिजली, पानी और गैस आपूर्ति जैसी आधारभूत सेवाओं का अर्थव्यवस्था में योगदान 21527 करोड़ से बढ़कर 47372 करोड़ हो गया है। व्यापार, होटल-रेस्त्रां और मरम्मत जैसे उद्योगों का योगदान 2015 -16 में 57284 करोड़ था जो 2024 -25 में 1.48 लाख करोड़ हो चुका है, जो लगभग तीन गुना है। वित्तीय सेवाओं की भागीदारी 23343 करोड़ से बढ़कर 53308 करोड़ हो चुकी है। लोक प्रशासन से जुड़ी सेवाओं का योगदान एक दशक में 25098 से बढ़कर 71805 करोड़ हो गया है।

हमीदिया रोड जाम, क्योंकि क्षमता हर घंटे 10 हजार वाहनों की, चल रहे 15 हजार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। शहर की पहली और सबसे व्यस्त सड़कों में शामिल हमीदिया रोड हांफ रही है। इस सीमेंट कांक्रीट का तो बना दिया गया है लेकिन दिनभर रह रहकर होने वाला ट्रैफिक जाम अब भी बदस्तूर जारी है। शहर के पहले मास्टर प्लान (1975) के मुताबिक साल 1971 में हमीदिया रोड से हर घंटे गुजरने वाले वाहनों की संख्या (पीसीयू) सिर्फ 1700 थी। वह आज बढ़कर 15 हजार से ज्यादा हो गई है। लेकिन जगह की कमी का हवाला देकर रोड की चौड़ाई नहीं बढ़ाई गई और न ही यहां कोई फ्लाईओवर प्रस्तावित किया गया।

यही हाल नए और पुराने शहर की कई सड़कों का है। तुलसी नगर, शिवाजी नगर और अरेरा कॉलोनी क्षेत्र की सड़कों की चौड़ाई भी कभी नहीं बढ़ी। साल 1971 में शहर में 17 हजार 253 गाड़ियां थीं, उस समय शहर में वाहनों की संख्या भी साल दर साल 90 फीसदी तक बढ़ रही थी, इस आधार पर अनुमान लगाया गया था कि 1991 तक 5 लाख वाहन होंगे। इस आधार पर सड़कों

की चौड़ाई तय हुई थी। इतने वर्षों में सड़कों की चौड़ाई नहीं बढ़ने का नतीजा है कि शहर की सड़कों पर अब जाम लगने लगा है।

ज्योति टॉकीज रोड का यही हाल

चेतक ब्रिज चौड़ा हो गया, लेकिन ज्योति टॉकीज की सड़क जस की तस है। 1975 में भेल एरिया की शहर से कनेक्टिविटी को बेहतर करने के लिए चेतक ब्रिज बनाया गया था। 2016-17 में इस ब्रिज का चौड़ीकरण कर दिया गया। इसके बाद नतीजा यह हुआ कि ब्रिज पर लगने वाला जाम खिसक कर ज्योति टॉकीज चौराहे पर आ गया।

अरेरा कॉलोनी की सड़कों पर दोगुने वाहन

अरेरा कॉलोनी के डेवलपमेंट के समय यहां की सड़कें कॉलोनी की भीतरी सड़कों की तर्ज पर बनीं थीं। अब यहां क्षमता से दोगुने वाहन गुजरते हैं। अब इन सड़कों को चौड़ा करने की जरूरत है। यही स्थिति तुलसी नगर और शिवाजी नगर की सड़कों की हो गई है।

स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में बुलेवर्ड स्ट्रीट और स्मार्ट रोड के रूप में जो दो सड़कें बनाई गईं दोनों वास्तव में यहां मौजूद पुरानी सड़कों का चौड़ीकरण ही था, लेकिन इन दोनों पर उस हिसाब से ट्रैफिक नहीं है। बुलेवर्ड स्ट्रीट की तो कनेक्टिविटी ही ठीक नहीं है

वर्ष 2030 तक शुरू हो जाएंगे 21 ब्लॉक, हर साल मिलेंगे 4500 रु.

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मप्र में इस वित्तीय वर्ष में 3 नए कोल ब्लॉक उत्पादन शुरू कर देंगे। इनसे 2.75 मिलियन टन कोयला हर साल मिलेगा। इन ब्लॉक में से 2 अनूपपुर जिले में और एक छिंदवाड़ा में शुरू होगा। वहीं साल 2030 तक 12 नए कोल ब्लॉक शुरू हो जाएंगे। 2015 के बाद शुरू हुए 6 कोल ब्लॉक में अभी उत्पादन जारी है। 2030 तक सभी 21 कोल ब्लॉक में उत्पादन शुरू हो जाने के बाद मप्र को हर साल 4500 करोड़ की खनन रॉयल्टी मिलेगी। अभी सिर्फ 650 करोड़ रॉयल्टी मिलती है। अनूपपुर में जेएमएस माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड के अनूपपुर में 2 और डालमिया सीमेंट लिमिटेड का छिंदवाड़ा 1 कोल ब्लॉक शुरू होने की उम्मीद है।

वर्तमान में सिंगरौली, शहडोल, छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर जिलों में 6 कोल साल 2015 के बाद से उत्पादन शुरू कर चुके हैं। इन ब्लॉक्स में सालाना 14.75 मिलियन टन उत्पादन क्षमता है।छिंदवाड़ा और शहडोल में निजी समूह की 1 -1 खदान वन विभाग से अनिवार्य अनुमति न मिलने के कारण मई 2024 से अटकी हैं। खनिज विभाग द्वारा इन्हें अनुमति दिलाने के प्रयास किए जा रहे हैं। कोल ब्लॉक्स की नीलामी केंद्र करता है और 18 तरह के कोयले की ग्रेडिंग के आधार पर उनकी रॉयल्टी भी तय करता है।

राज्य सरकार रॉयल्टी वसूली और अन्य प्रक्रिया संभालती है। कुल रॉयल्टी से 14त्न हिस्सा राज्य को मिलता है। प्रदेश में कोल इंडिया की 62 खदानें चालू अभी मप्र में कोल इंडिया लिमिटेड की 62 खदानें चल रही हैं। वर्तमान में चल रही खदानों की कुल उत्पादन क्षमता 158 मिलियन टन से अधिक है। इनके अलावा अनूपपुर, सिंगरौली, शहडोल, उमरिया जिलों में साल 2022 से फरवरी 2025 के बीच आवंटित 11 अन्य कोल ब्लॉक से साल 2028 से 2031 के बीच उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है। इनमें से 6 क्षेत्रों में एक्सप्लोरेशन (खोज) का काम शुरू हो चुका है। इनमें जेके सीमेंट, एसीसी, महान एनर्जी, जेपी वेंचर्स आदि को मिले खनन क्षेत्र शामिल हैं।

एम्स में 2 माह से नहीं हो रहीं कई जांचें

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भोपाल में दो महीने से कई प्रकार की जांचें नहीं हो पा रही हैं। क्योंकि यहां आउटसोर्स कंपनी एचएलएल का इन जांचों को लेकर कॉन्ट्रेक्ट खत्म हो गया है। इस वजह से अब मरीजों को कई जांचें कराने के लिए बाहर जाना पड़ रहा है।

बताया जा रहा है कि टीबी की बीमारी से संबंधित कई जांचें भी अब मरीजों को बाहर से ही करानी होंगी। सूत्रों की मानें तो पॉजिट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी (पीईटी स्कैन) की जांच भी पहले आउटसोर्स कंपनी एचएलएल कराती थी। यह कंपनी मरीज का सैंपल लैब भेजती थी। बताया जा रहा है कि मरीज अगर एम्स का है तो इसकी जांच 9 हजार रुपए

में होती थी।

वहीं, अब एचएलएल कंपनी के जाने के बाद मरीजों को सीधे निजी पैथलैब पर जांच करानी पड़ रही है, जिसके मरीज को 20 हजार रुपए तक देने पड़ते हैं। एम्स के एक लैब टेक्निशयन ने बताया कि टीबी से संबंधित कुछ जांच एम्स की लैब में होती हैं, जबकि कुछ जांच पहले आउटसोर्स पर होती थीं, अब वह बंद है। जैसे टीबी गोल्ड की जांच पहले आउटसोर्स के माध्यम से होती थी, अब मरीज को यह जांच बाहर से करानी होगी। यह जांच करीब 3 हजार रुपए की होती है। डायरेक्टर ने स्वीकारा, बाहर से हो रहीं जांचें- इस मामले को लेकर एम्स के डायरेक्टर अजय सिंह ने यह तो स्वीकार किया कि दो महीने से कुछ जांचें बाहर से हो रही हैं, लेकिन इसके कारण का कोई जवाब नहीं दिया।

लेंडी पर सात टन कपड़ा खंती जाने से रोका, सड़कों पर हुई तत्काल सफाई

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 में अव्वल आने की कोशिश कर रहे नगर निगम ने इस बार धुलेंडी के दिन पुराने शहर में निकले जुलूस मार्ग पर तत्काल सफाई की। मंगलवारा, घोड़ा नक्कास, इलेक्ट्रॉनिक मार्केट सहित अन्य इलाकों से जुलूस के गुजरते ही निगमकर्मियों ने झाड़ू लगाकर सफाई कर दी। इसके लिए हर चौराहे पर नगर निगम का अमला तैनात था।

निगम का दावा है कि धुलेंडी वाले दिन 10 हजार कर्मचारी सफाई व्यवस्था में तैनात थे। इन कर्मचारियों ने जुलूस मार्ग के साथ-साथ शहर के अन्य इलाकों में भी सफाई की। इस व्यवस्था का लाभ यह हुआ कि जुलूस समाप्त होते ही पूरी सड़क साफ हो गई थी। इसके साथ ही इस बार होली पर निकलने वाला खराब कपड़ा भी खंती पर जाने से रोका गया।

निगम ने शहर में अलग-अलग जगहों से लगभग सात टन कपड़ा इकट्ठा किया और इसे अन्ना नगर में टेक्सटाइल रिसाइक्लिंग सेंटर पर भेजा गया। इस कपड़े से धागे भी बनाए जाएंगे। नगर निगम के अधिकारियों के अनुसार अब तक यह कपड़ा आदमपुर छावनी खंती पर पहुंच जाता था और वहां प्रोसेसिंग के लिए लगाई गई ट्रामल मशीन में फंसकर उसे खराब कर देता था। टेक्सटाइल रिसाइक्लिंग सेंटर के जरिए भोपाल ने श्री आर में नया उदाहरण पेश किया है।

शहर में सफाई के दौरान नगर निगम अमले ने जब सड़क किनारे होली की राख उठाई तो कई जगह पर लोगों ने यह उठाने नहीं दी। इसी तरह त्योहार के अगले दिन शनिवार को बड़ी संख्या में कामगारों के छुट्टी पर जाने के कारण पुराने शहर के कुछ इलाकों में कचरा पड़ा हुआ देखा गया।

लॉयंस क्लब भोपाल संस्कार का होली मिलन समारोह

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। लॉयंस क्लब भोपाल संस्कार ने रविवार को एमपी नगर के निजी होटल में रंगारंग होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्लब के सदस्यों ने हर्बल गुलाल से एक-दूसरे को रंग लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। क्लब के अध्यक्ष लायन दिनेश धीर ने सभी का स्वागत किया, वहीं क्लब सचिव लायन रूपक राव ने सेवा गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ईदगाह हिल्स स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों के साथ फूलों की होली खेली गई और उपहार वितरित किए गए। कार्यक्रम में मिमिक्री, फैशन शो, डांस और फिल्मी गीतों की शानदार प्रस्तुतियों ने समा बांध दिया। सभी सदस्यों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया और होली के रंग में सराबोर हो गए। इस मौके पर लायन दिनेश धीर, लायन ज्योति धीर, लायन सुषमा जोशी, लायन नीरेंद्र गौर, लायन गौरव कुलश्रेष्ठ, लायन निमिषा कुलश्रेष्ठ, लायन विजय अय्यर, लायन रूपक कुलश्रेष्ठ, लायन सुयश कुलश्रेष्ठ, लायन नीलू सूरी, लायन सुधीर शर्मा, लायन ममता शर्मा, लियो ओजस कुलश्रेष्ठ सहित कई अन्य सदस्य मौजूद रहे।

जमीन के दाम आसमान पर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। विकास के वादे पर सवार भोपाल में जमीन के दाम सीधे आसमान पर पहुंचने वाले हैं। भोपाल में कलेक्टर गाइडलाइन 2025-26 का ड्राफ्ट संपदा 2.0 की वेबसाइट पर ऑनलाइन जारी किया गया। इसके अनुसार, कुल 2,887 लोकेशन में औसतन 18 प्रतिशत रेट बढ़ाने का प्रस्ताव है।

यह मंजूर हुआ तो ?बीते 15 साल में सबसे बड़ी बढ़ोतरी होगी। आखिरी बार 2011-12 में 31.50 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई थी। वहीं साल 2024-25 में कुल 3,885 लोकेशनों में औसतन 7 प्रतिशत दाम बढ़ाए गए थे। इस साल नर्मदापुरम रोड, कोलार, भानपुर, सलैया, कोकता बायपास जैसी करीब

100 जगह दाम सीधे दोगुने करने का प्रस्ताव है। वहीं, 23 जगह ऐसी हैं, जहां जमीन के दाम 100 रु./वर्गफीट से बढ़ाकर 230 रु./वर्गफीट करने की सिफारिश है। इनमें भोपाल व आसपास के क्षेत्र जैसे दुबड़ी, अगरिया, सेमरीखुर्द, प्रेमपुरा, समर्धा, पिपलिया, गोविंदपुरा औद्योगिक वार्ड और छापरबंद हैं। 1,602 जगह बदलाव नहीं किया गया है। अब आम नागरिक अपनी आपत्तियां और सुझाव 19 मार्च की शाम 5 बजे तक कलेक्टर कार्यालय, वरिष्ठ जिला पंजीयक कार्यालय (परी बाजार), आईएसबीटी कार्यालय (भोपाल) में प्रस्तुत कर सकते हैं। संपदा पोर्टल पर ऑनलाइन भी अपने सुझाव दर्ज करा सकते हैं। शहर के मंत्री, विधायक एक-सुर... 18त्न बहुत ज्यादा, रजिस्ट्री रेट अधिक होने के कारण लोग एग्रीमेंट पर सौदे करने लगे हैं कलेक्टर गाइडलाइन के बढ़ाने प्रस्ताव के विरोध में शहर के मंत्री-विधायक साथ आ गए हैं। नरेला से विधायक और कैबिनेट मंत्री विश्वास सारंग, राज्य मंत्री व गोविंदपुरा विधायक कृष्णा गौर ने कहा- 18 प्रतिशत बढ़ोतरी अव्यावहारिक है। उचित फोरम में विरोध दर्ज कराएंगे। हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा बोले- कई अफसर ऐसे हैं, जो नहीं चाहते कि भोपाल की जनता रजिस्ट्री कराए। एग्रीमेंट पर रजिस्ट्री करा लें, लड़ाई-झगड़ा होता रहे।

राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस से शुरू हुआ मीजल्स-रुबेला वैक्सीनेशन का कैचअप राउंड

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस के तारतम्य में आज से विशेष कैचअप राउंड संचालित किया जाएगा, जिसमें टीकाकरण कवरेज और मीजल्स व रूबेला बीमारियों के प्रति जागरूकता को बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। भारत सरकार ने साल 2026 तक मीजल्स और रूबेला निर्मूलन का लक्ष्य निर्धारित किया है। लक्ष्य की प्राप्ति के लिए एम आर 1 एम आर 2 टीकों का 95त्न कवरेज किया जाना है। 17 मार्च से 22 मार्च तक टीकाकरण जन जागृति सप्ताह के रूप में मनाया जाएगा। इस दौरान जन जागरूकता रैलियां, स्वास्थ्य कर्मियों का उन्मुखीकरण, शपथ कार्यक्रमों, दीवार लेखन, हस्ताक्षर अभियान संचालित किए जाएंगे। सरकार द्वारा 12 गंभीर बीमारियों से बचाव के लिए निशुल्क टीके लगाए जाते हैं। वैक्सीन रोधी बीमारियों की जागरूकता के लिए होली की पूर्व संध्या पर सीएमएचओ कार्यालय में अनूठे अंदाज में

होलिका दहन किया गया था। भोपाल सांसद श्री आलोक शर्मा, स्थानीय विधायक श्री भगवानदास सबनानी, नगर पालिक निगम अध्यक्ष श्री किशन सूर्यवंशी, पार्षदगण श्रीमती बृजुला सचान एवं श्रीमती आरती अनेजा सहित गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में टीके न लगवाने से होने वाली बीमारियों की प्रतीकात्मक होली जलाकर स्वास्थ्य से जुड़ी विभिन्न सेवाओं की जानकारी दी गई थी। टीकों के प्रति जागरूकता के लिए किए गए इस नवाचार को भारत सरकार द्वारा भी सराहा गया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के संयुक्त सचिव द्वारा इसे एक बेहतरीन पहल बताते हुए प्रशंसा की गई है। सांसद श्री आलोक शर्मा द्वारा भी सीएमएचओ कार्यालय की इस कदम की सराहना की गई थी। विधायक श्री भगवानदास सबनानी ने परिजनों से मीजल्स रुबेला सहित सभी टीके निर्धारित समय पर लगवाने की अपील की गई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी ने बताया कि टीकों के द्वारा ही कई बीमारियों का उन्मूलन किया जा चुका है। जबकि कई जानलेवा बीमारियों से बचाव में भी टीके महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

सिग्नेचर सिटी कटारा हिल्स में धार्मिक आयोजन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल के सिग्नेचर सिटी कटारा हिल्स में गायत्री परिवार ट्रस्ट बरखेड़ा के मार्गदर्शन में दो दिवसीय पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया गया। पहले दिन शाम को नारी शक्ति जागरण के प्रतीक के रूप में कलश यात्रा निकाली गई। कार्यक्रम का समापन भव्य दीपयज्ञ के साथ हुआ। इंदौर से आए वरिष्ठ कृष्ण शर्मा ने गायत्री मंत्र के माध्यम से मनुष्य में देवत्व के उदय और सतयुगी वातावरण के बारे में चर्चा की। इंदौर के युवा कार्यकर्ता हरिओम मौर्य ने दीपयज्ञ में सहयोग किया। दूसरे दिन सुबह कॉलोनी के पार्क नंबर 6 में स्थानीय श्रद्धालुओं ने पांच कुंडों पर बैठकर आहुतियां दीं। मंच संचालक सुरेश श्रीवास्तव,

चार्टर्ड अकाउंटेंट विदुषी बहन ज्योति चौहान और श्री सी.एल. चौरासे ने जीवन जीने की कला के सरल सूत्र बताए। शांतिकुंज के पूर्व वरिष्ठ गायक गौरी शंकर गौर ने प्रज्ञा गीतों की मधुर प्रस्तुति दी।

दो दिन शहर में वाहनों की आवाजाही कम हुई तो अरेरा कॉलोनी में सुधरी हवा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। शहरवासियों के लिए राहत की खबर है। तीन महीने बाद भोपाल में प्रदूषण का स्तर सामान्य से संतोषजनक हो गया है। शुक्रवार को शहर का औसत एक्यूआई 94 दर्ज किया गया। यह लगातार 100 के ऊपर बना हुआ था। प्रदूषण नियंत्रण के लिहाज से यह अच्छा संकेत है। बीते दो दिनों से राजधानी में वाहनों की आवाजाही कम रही। यही कारण है कि अरेरा कॉलोनी, यानी पर्यावरण परिसर में, एक्यूआई अब तक का सबसे कम, यानी 54 रिकॉर्ड किया गया है। बीते साल यह 118 था। इसके बाद कलेक्ट्रेट में 105 दर्ज किया गया। यह भी बीते साल 118 था। एमपीपीसीबी के रीजनल डायरेक्टर बृजेश शर्मा ने बताया कि होली के चलते दो दिनों से वाहनों का मूवमेंट कम हुआ है। इसके चलते सड़कों पर जमी धूल और वाहनों से निकलने वाला प्रदूषण काफी कम हुआ है।

बिजली का बिल घटाने के आसान सुझाव

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। गर्मी के मौसम में अक्सर बिजली बिल बढ़ जाता है, जिसकी वजह कुछ जरूरी उपकरणों का इस्तेमाल तथा उनके रखरखाव में कमी होती है। जैसे-जैसे पारा चढ़ता है, वैसे-वैसे ए.सी., कूलर, पंखों का इस्तेमाल बढ़ जाता है। ऐसे में आपका बिजली का बिल ना बढ़े, इसके लिए मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कुछ कारगर तरीके सुझाये हैं। ए.सी. इस्तेमाल करने वालों के लिए टिप्स यह है कि वह अपने ए.सी. के टेम्प्रेचर को 27 डिगी पर सेट करें।

इससे नीचे टेम्प्रेचर करने पर ए.सी. के कंप्रेशर को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है ए.सी. ज्यादा देर तक चलता है, इसलिए बिजली भी ज्यादा खर्च होती है और आपका बिल ज्यादा आता है। बेहतर होगा कि ए.सी. के साथ-साथ कमरे में पंखा भी चलाएं। ए.सी. के एयर फिल्टर को हर 10-15 दिनों में अच्छी तरह धोकर साफ करें।

फिल्टर में धूल जमने में आपको पूरी ठंडक नहीं मिलती और आपको ए.सी. ज्यादा देर तक चलाना पड़ता है। ए.सी. वाले कमरों के खिड़की- दरवाजे ए.सी.चलने के दौरान मजबूती से बंद रखें। यदि दरवाजे-खिड़कियों में झिरियां हों तो उन्हें थर्मोकोल आदि का इस्तेमाल कर सील कर दें। इसी तरह कूलर इस्तेमाल करने के लिए भी कुछ जरूरी टिप्स हैं। कूलर से पूरी ठंडक पाने के लिए जरूरी है कि कूलर जितनी हवा फेंक रहा है उतनी हवा कमरे से बाहर निकलने का भी पूरा इंतजाम हो। कूलर के पैड यदि खराब हो गये हैं तो उन्हें बदलवा लें। कूलर के पंखे और पंप की आइलिंग ग्रीसिंग के साथ ही कंडेंसर की जांच जरूर करायें। पुराने रेगूलेटर की जगह इलेक्ट्रॉनिक रेगुलेटर लगवाएं, इससे बिजली कम खर्च होती है। इसी तरह पंखे इस्तेमाल करने के दौरान जरूरी है कि घर के सब पंखों की सर्विसिंग करा लें।

खेत में फायर, पोस्ट ऑफिस एजेंट का मिला शव

पास में लाइसेंसी रिवॉल्वर पड़ी थी, आत्महत्या या हादसा में उलझी पुलिस

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी में एक पोस्ट ऑफिस एजेंट की गोली लगने से मौत हो गई। उनका शव खेत में पड़ा मिला। पास में उनकी लाइसेंसी रिवॉल्वर भी थी। पुलिस और आत्महत्या और हादसा दोनों एंगल से जांच कर रही है।

पुलिस के मुताबिक, घटना हिनौता गांव की है। 55 वर्षीय संतोष मिश्रा रोज की तरह सोमवार सुबह 9:30 बजे अपने घर से पोस्ट ऑफिस के लिए निकले थे। करीब एक घंटे बाद 10:26 बजे खेत से गोली चलने की आवाज सुनाई दी। ग्रामीणों ने जाकर देखा तो संतोष का शव खेत में और उनकी लाइसेंसी रिवॉल्वर पास में

पड़ी थी।

ग्रामीणों ने तुरंत उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही सिटी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंच गई। कोतवाली थाने के विवेक द्विवेदी के अनुसार मामले की जांच जारी है।

मिश्रा की अचानक मौत से पूरे गांव में शोक की लहर है। उनके परिवार के लोग सदमे में हैं। अभी वे बात करने की हालत में नहीं हैं।

जूस के 40 रुपए मांगने पर युवक को पीटा

वारदात में शामिल 12 से ज्यादा आरोपी फरार, दहशत में परिवार ने खुद को घर में कैद किया

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी में जूस के पैसे मांगने पर 12 से ज्यादा लोगों ने जूस विक्रेता पर हमला कर दिया। घायल को सीधी के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना 15 मार्च की रात 9 बजे परसिली गांव के चमरा डोल बैरियर तिराहे की है।

मझौली थाने की पुलिस के मुताबिक, शुभम तिवारी गन्ने के रस का ठेला लगाता है। उसकी दुकान पर आकर दो लोगों ने रस पिया। शुभम ने जब उनसे 40 रुपए मांगे तो वे विवाद करने लगे। वहां मौजूद लोगों ने उस समय मामला शांत करा दिया।

दोनों युवक वहां से चले गए। कुछ देर बाद वे रोशन सिंह गौड़, अखिलेश सिंह गैड़, गोलू सिंह गौड़ और बुद्धसेन सिंह गौड़ सहित 10 से 12 हमलावरों के साथ लौटे और धारदार हथियारों से हमला कर दिया।

करीब 5 मिनट तक चले इस हमले में शुभम गंभीर रूप से घायल हो गया। गांव के मिस्टर सिंह ने उसे मझौली अस्पताल पहुंचाया। वहां से सीधी के जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

हमलावरों ने शुभम के पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी है। आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने के कारण शुभम का परिवार दो दिन से अपने ही घर में कैद है। घटना से पूरे गांव में भय और आक्रोश का माहौल है। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी दीपक सिंह बघेल ने बताया कि आरोपियों पर मारपीट सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया गया है। पुलिस जांच जारी है, लेकिन अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। सभी आरोपी फरार चल रहे हैं।

कुएं में मिला युवक का शव

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले में होली के दिन एक युवक की संदिग्ध हालात में मौत का मामला सामने आया है। ग्राम पड़रा में सोमवार दोपहर 3:30 बजे एक कुएं में 32 वर्षीय वासिस बारी का शव मिला। मृतक के पिता रामबाबू बारी का आरोप है कि उनका बेटा होली खेलने निकला था। गांव के रमेश कोल और छोटू कोल ने पहले खुद शराब पी। फिर उनके बेटे को भी शराब पिलाई। इसके बाद उसकी लाश कुएं में मिली।

परिजनों को शाम 5:30 बजे सूचना मिली। वे जब कुएं के पास पहुंचे तो वहां भीड़ जमा थी। पुलिस भी मौके पर पहुंच चुकी थी। पुलिस ने शव को कुएं से निकाला और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

कोतवाली थाने के एसआई विवेक द्विवेदी ने बताया कि पिता की शिकायत पर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस हर पहलू की बारीकी से जांच कर रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। परिजनों ने निष्पक्ष जांच की मांग की है।

युवक की पीट-पीटकर हत्या मामले में 6 आरोपी गिरफ्तार, होली पर पान न मिलने पर की थी मारपीट

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। अनूपपुर जिले में कोतमा में पान न देने को लेकर हुई मारपीट में एक युवक की मौत के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने रविवार को बताया कि मुख्य आरोपी अमृतलाल प्रजापति (32) और उसके दो साथियों दिलीप प्रजापति (22) और सुनील उर्फ गोलू प्रजापति (22) को छत्तीसगढ़ के गोरेल्ला से पकड़ा गया है।

सोमवार को पुलिस ने तीन और आरोपियों को शहडोल से गिरफ्तार किया। इनमें जितेन्द्र प्रजापति (24), शिवा उर्फ सूर्यकांत प्रजापति (19) और सागर प्रजापति (21) शामिल हैं। सभी आरोपी ग्राम

बुढानपुर के रहने वाले हैं। पुलिस ने आरोपियों से घटना में इस्तेमाल की गई बाइक और हथियार भी बरामद कर लिए हैं।

ये था पूरा मामला: दरअसल, घटना 14 मार्च की शाम 5 बजे की है। बंजारा तिराहे पर गणेश प्रसाद पांडेय के पान ठेले पर अमृतलाल प्रजापति पान लेने आया था।

पान न मिलने पर अमृतलाल ने गाली-गलौज की और धमकी देकर चला गया। कुछ देर बाद वह अपने 5 साथियों के साथ दो बाइक पर लाठी-डंडे लेकर वापस आया। आरोपियों ने गणेश पांडेय और विक्की केवट को बुरी तरह पीटा। घायल विक्की केवट को अस्पताल ले जाया गया, जहां 15 मार्च को शहडोल अस्पताल में उसकी मौत हो गई।

मौत के बाद पीड़ित परिवार ने बंजारा तिराहे पर विरोध प्रदर्शन किया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इसरार मंसूरी ने मौके पर पहुंचकर दो दिन में आरोपियों की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया। पुलिस अधीक्षक मोतीउर रहमान के निर्देशन में तीन टीमें बनाई गईं थीं।

नीलगिरी की लकड़ी से भरे 4 ट्रक जब्त

अलग-अलग इलाकों में कार्रवाई, दस्तावेज भी नहीं मिले

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल वन विभाग ने नीलगिरी की अवैध लकड़ी से भरे चार ट्रक जब्त किए हैं। विभाग ने शहर के विभिन्न स्थानों से यह कार्रवाई की गई।

सोमवार को वन परिक्षेत्र अधिकारी अशोक अवस्थी ने बताया कि रीवा होटल के पास से दो ट्रक पकड़े गए। इन ट्रकों में तिरपाल के नीचे नीलगिरी की लकड़ी छिपाकर रखी गई थी। दोनों वाहनों को काष्ठागार नरसरहा में रखा गया है। पकड़े गए ट्रकों के नंबर सीजी 12 एएल 4294 और एमपी 18 जीए 4048 हैं।

केशवाही में पकड़ाया ट्रक: केशवाही वन परिक्षेत्र के तेन्दुटोला बीट में रात की गश्त के दौरान एक ट्रक पकड़ा गया। यह ट्रक नंबर एमपी 18 जीए 4715 था। बुढ़ार वन परिक्षेत्र में भी एक ट्रक पकड़ा गया। अनूपपुर-बुढ़ार मार्ग पर श्रीवास्तव मोड़ के पास से पकड़े गए इस ट्रक का नंबर एमपी 18 जीए 2679 है।

सभी वाहनों के दस्तावेज नहीं मिले: जांच में पाया गया कि चारों ट्रकों के पास लकड़ी परिवहन के वैध दस्तावेज नहीं थे। पिछले कुछ महीनों से इस क्षेत्र में लकड़ी तस्करी के मामले बढ़े हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि वन विभाग रेत और कोयले की तस्करी पर तो ध्यान देता है। लेकिन जंगलों की निगरानी में कमी के कारण लकड़ी की तस्करी जारी है। इस ओर ध्यान नहीं दिया जाता।

ननि में ठेकेदार और पार्षद पति का विवाद

उधार दिए 80 हजार मांगने पर की घटिया निर्माण की शिकायत

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली नगर निगम में कमीशन को लेकर एक नया विवाद सामने आया है। वार्ड क्रमांक 41 की भाजपा पार्षद गौरी गुप्ता के पति अर्जुन दास गुप्ता और ठेकेदार सेत लाल शाह के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल रहा है।

ठेकेदार सेत लाल शाह ने 12 मार्च को नगर निगम कमिश्नर को पत्र लिखा। उन्होंने आरोप लगाया कि अर्जुन दास गुप्ता ने आंख के इलाज के लिए 80,000 रुपए उधार लिए थे। अब वह इस राशि को कमीशन बताकर लौटाने से मना कर रहे हैं। ठेकेदार ने कमिश्नर से कार्रवाई की मांग की है।

इस शिकायत के जवाब में पार्षद पति अर्जुन दास गुप्ता ने भी कलेक्टर को पत्र सौंपा है। उन्होंने ठेकेदार पर घटिया निर्माण का आरोप लगाया है।

गुप्ता के अनुसार, उनके वार्ड में दो पार्क बनाए गए हैं। एक पार्क 26 लाख रुपए का और दूसरा 22 लाख रुपए का है। उनका कहना है कि दोनों पार्कों में निर्माण की गुणवत्ता खराब है।

यह मामला अब नगर निगम में चर्चा का विषय बन गया है। पार्षद पति और ठेकेदार के बीच यह विवाद कमीशन और घटिया निर्माण के आरोपों के बीच फंसा हुआ है।

दोनों शिकायतों की जांच जारी: नगर निगम कमिश्नर डीके शर्मा का कहना है कि हमारे पास दोनों ही शिकायतें हैं एक तो घटिया निर्माण की और दूसरी पैसे की लेनदेन की। हम दोनों ही शिकायतों की जांच कर रहे हैं और जैसी स्थिति बनेगी उसके हिसाब से कार्रवाई की जाएगी।

5 लाख का सामान और कृष्ण मूर्ति ले गए चोर

यातायात थाने के पास दिनदहाड़े वारदात, घर में 2 घंटे रहे बदमाश

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल जिले के सोहागपुर में नए यातायात थाने के पास एक घर से दिनदहाड़े चोरी हो गई। चोरों ने घर से सोने-चांदी के जेवरात और नकदी समेत करीब 5 लाख रुपए का माल चुराया है। साथ ही घर में स्थापित भगवान कृष्ण की मूर्ति भी ले गए।

वार्ड नंबर 32 निवासी सुजीत शुरी का परिवार 13 मार्च को उज्जैन में बाबा महाकाल के दर्शन के लिए गया था। घर की देखरेख के लिए एक चौकीदार नियुक्त किया गया था। सोमवार सुबह 11 बजे चौकीदार ने घर में ताला लगाकर चला गया। परिवार दोपहर 1 बजे घर लौटा।

घर पहुंचने पर परिवार ने देखा कि बाहर का लोहे का दरवाजा और अंदर का लकड़ी का दरवाजा टूटा हुआ था। घर का सारा सामान बिखरा पड़ा था। अलमारी के लॉकर से सभी जेवरात और नकदी गायब थी। चोरों ने घर में स्थापित भगवान कृष्ण की मूर्ति भी चुरा ली।

सोहागपुर थाना प्रभारी भूपेंद्र मणि पांडे ने बताया कि पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर मामले की जांच कर रही है। यह चोरी महज 2 घंटे के अंदर की गई है।

माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित हायर सेकेण्डरी बोर्ड परीक्षा अंतर्गत रसायन शास्त्र व इतिहास विषय की परीक्षा सम्पन्न हुई

सीधी। हायर सेकेण्डरी बोर्ड परीक्षा अंतर्गत रसायन शास्त्र व इतिहास विषय की परीक्षा जिले के 65 परीक्षा केन्द्रो में आयोजित हुई जिसमें से 8362 दर्ज छात्रों में से 8264 विद्यार्थी परीक्षा में उपस्थित रहे, 98 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल नही हुये। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा परीक्षा की गोपनीयता एवं सुचिता बनाये रखने के लिये पैनल का गठन किया गया है। गठित पैनल में जिला शिक्षा अधिकारी पवन कुमार सिंह द्वारा शा.उ.मा.वि. गणेश अमहा, क्रमांक-2 सीधी, क्रमांक-1 सीधी का निरीक्षण किया गया। प्रवीण शुक्ला ए.डीपी.सी. रमसा द्वारा भदोरा, टमसार, कुसमी का निरीक्षण किया गया। डॉ सुजीत कुमार मिश्र ए.पी.सी. रमसा द्वारा मॉडल सर्रा, बालक चुरहट, धुम्मा, लकोडा, कमर्जी का निरीक्षण किया गया।

5 मई तक चलेगी गेहूं की सरकारी खरीदी

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने जिले में 6 गेहूं खरीदी केंद्र मंजूर हैं। किसानों से गेहूं की खरीदी 2425 रुपए प्रति क्विंटल के समर्थन मूल्य और 175 रुपए बोनस सहित कुल 2600 रुपए प्रति क्विंटल की दर से होगी।

खरीदी केंद्रों में अनूपपुर तहसील के तीन केंद्र शामिल हैं। ये हैं - पटनाकलां में मां शारदा वेयर हाउस, अनूपपुर में श्री शिवाय वेयर हाउस और मझगवां में शारदा फूड प्रोसेसिंग गोदाम। जैतहरी तहसील में आरटीओ गोदाम खूंटाटोला, कोतमा तहसील में बतूल वेयरहाउस और पुष्पराजगढ़ तहसील में एमपी डब्ल्यूएलसी गोदाम राजेंद्र ग्राम में खरीदी होगी।

खरीदी केंद्र सोमवार से शुक्रवार तक सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक खुले रहेंगे। किसानों को शाम 6 बजे तक तौल पर्ची जारी की जाएगी। कलेक्टर ने सभी केंद्रों को आवश्यक भौतिक सुविधाएं और मानव संसाधन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

गेहूं की खरीदी केवल ऑनलाइन मोड में ही करने के आदेश दिए गए हैं। किसी भी स्थिति में ऑफलाइन खरीदी की अनुमति नहीं होगी।

जिले के तीन पंचायत पदाधिकारियों को गिरफ्तारी वारंट जारी

सीधी। सूचना सहायक जिला पंचायत सीधी ने जानकारी देकर बताया है कि म.प्र. पंचायतराज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 92 के तहत शासकीय राशि के दुरूपयोग करने एवं उसकी वसूली राशि जमा नहीं करने तथा नोटिस तामीली के बावजूद भी जबाब प्रस्तुत नहीं करने के कारण जनपद पंचायत सीधी अन्तर्गत 03 पंचायत पदाधिकारियों को गिरफ्तारी वारंट अंशुमन राज विहित प्राधिकारी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीधी के द्वारा जारी किया गया है।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफएक्सीलेंस सीधी में पीएम उषा कंपोनेंट तीन के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार सेडमैप के द्वारा संजय गांधी स्मृति महाविद्यालय सीधी में पीएम उषा कंपोनेंट तीन के अंतर्गत छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। इंग्लिश स्पीकिंग 7 दिवसीय प्रशिक्षण 50-50 विद्यार्थियों के दो बैच प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं , गुड्स एवं सर्विस टैक्स 7 दिवसीय जिसमें 100 विद्यार्थियों का एक बैच, कंप्यूटर अवेयरनेस टीचर्स एंड स्टूडेंट 10 दिवसीय प्रशिक्षण 50-50 के दो बैच, फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम 5 दिवसीय प्रशिक्षण। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में महाविद्यालय में अध्यनरत बी. ए., बी. एस. सी., बी. कॉम. अधिकांश छात्र छात्राएं पंजीकृत होकर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

जिला प्रशासन तथा जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के निर्देशन में युवा संगम 2025 नामक एक भव्य रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन 18 मार्च 2025 को महाविद्यालय में आयोजित किया जा रहा है ।

राज्य स्तरीय नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर में सहभागिता कर लौटा महाविद्यालय मझौली रासेयो का दल

राज्य स्तरीय शिविर से लौटे स्वयंसेवकों ने साझा किए अपने अनुभव

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार राष्ट्रीय सेवा योजना का राज्य स्तरीय सात दिवसीय नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 2 से 8 मार्च 2025 तक अमरकंटक जिला अनूपपुर में आयोजित किया गया। शिविर में शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय मझौली की रासेयो इकाई के स्वयंसेवक शंकर केवट और अजय कुमार यादव ने

सहभागिता की। वापस आने पर उन्होंने महाविद्यालय के स्वयंसेवकों के साथ अपने अनुभव साझा किए। प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ मध्यप्रदेश शासन के उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार द्वारा किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य सामाजिक सरोकार के माध्यम से स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित करना है।

इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ गीता भारती एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी प्रोफेसर सुनील सिंह मरावी तथा अन्य अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की गई।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना में युवाओं के पंजीयन की अंतिम तिथि 31 मार्च

सीधी। प्राचार्य औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था ने जानकारी देकर बताया है कि प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (पीएमआईएस) का उद्देश्य युवाओं को भारत की शीर्ष 500 कंपनियों में इंटर्नशिप के अवसर प्रदान कर रोजगारपरक बनाना है। जिससे युवाओं को वास्तविक कार्यानुभव प्राप्त हो सके और व्यावसायिक कौशल में वृद्धि हो। योजना में 21 वर्ष से 24 वर्ष आयु के युवा जिनकी शैक्षणिक योग्यता 10वीं, 12वीं, आईटीआई, पॉलीटेक्निक या परिवाशातक किये हैं और वे किसी अप्रेन्टिस या पूर्णकालिक रोजगार में न हो, ऐसे युवा पंजीयन कर सकते हैं। चयनित युवाओं को इंटर्नशिप की अवधि में 5000 रूपये प्रति माह स्टायपेंड और एकमुश्त 6000 रूपये की राशि प्रदान की जायेगी।

सोशल मीडिया पर अवैध कट्टा दिखाने वाला युवक गिरफ्तार

बमीठा पुलिस ने 315 बोर देशी कट्टा और कारतूस के साथ आरोपी को पकड़ा

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर में बमीठा पुलिस ने सोशल मीडिया पर अवैध हथियार दिखाने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 315 बोर का देशी कट्टा और कारतूस बरामद किया गया है।

बमीठा थाना प्रभारी आशुतोष श्रोत्रिय ने बताया कि रविवार रात को सगुनियन पीरा गांव के पास से आरोपी राहुल अहिरवार को गिरफ्तार किया गया। राहुल ग्राम भियाताल का रहने वाला है। आरोपी ने पुलिस की टीम देखी तो भागने की कोशिश की, लेकिन वो पकड़ा गया।

हथियार विक्रेता की तलाश जारी: पूछताछ में राहुल ने बताया कि उसने ये अवैध हथियार अशोक रजक से खरीदा था। पुलिस ने हथियार विक्रेता अशोक रजक के खिलाफ भी मामला दर्ज कर लिया है। अशोक की तलाश जारी है।

250 से ज्यादा लोग अवैध हथियार के साथ पकड़ाए: थाना प्रभारी ने बताया कि सोशल मीडिया पर अवैध हथियार दिखाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। पुलिस हथियारों के स्रोत की जानकारी जुटा रही है। पिछले कुछ दिनों में छतरपुर जिले में 250 से ज्यादा लोगों को अवैध हथियारों के साथ गिरफ्तार किया गया है।

भगवान जुगलकिशोर ने सखी वेश में दिए भक्तों को दर्शन, सुबह 5 :30 से लोगों ने खेली केसर युक्त गुलाल से होली

मीडिया ऑडीटर, पन्ना (निप्र)। पन्ना में पांच दिवसीय होली महोत्सव के चौथे दिन भगवान जुगलकिशोर ने सखी वेश में भक्तों को दर्शन दिए। मंदिर में बृंदावन की तर्ज पर होली का आयोजन किया जा रहा है। सुबह 5:30 से 10:30 बजे तक केसर युक्त गुलाल से होली खेली गई। भक्त अपने साथ रंग-गुलाल लेकर आए और भगवान को अर्पित कर होली उत्सव में शामिल हुए।

पंडित योगेंद्र अवस्थी ने बताया आयोजन का महत्व: परंपरा के अनुसार, हर साल कई क्विंटल गुलाल का प्रयोग किया जाता है। मंदिर में भक्तों को प्रसाद के रूप में गुलाल वितरित किया गया। पंडित

योगेंद्र अवस्थी ने बताया कि यह विशेष अवसर वर्ष में केवल एक बार आता है। पन्ना के जुगलकिशोर मंदिर और श्री प्राणनाथ जी मंदिर में देश के विभिन्न राज्यों से श्रद्धालु होली मनाने पहुंचते हैं। महिलाएं भजन गायन कर माहौल को और भी भक्तिमय बना रही हैं।

मंदिर प्रशासन ने नई समय-सारणी की घोषणा की: इसी दौरान मंदिर प्रशासन ने बताया कि अब भगवान जुगलकिशोर की मंगल आरती सुबह 5:00 से 5:10 बजे तक होगी। कनक कटोरा श्रृंगार आरती का समय बदलकर सुबह 7:00 बजे कर दिया गया है। दोपहर का राजभोग और आरती 12:00 से 2:45 बजे तक यथावत रहेगी। शाम के दर्शन 7:30 से रात 10:00 बजे तक होंगे। रात की व्यारी और शयन आरती के दर्शन 10:30 बजे होंगे।

विचार

शिक्षा और श्रम से ही होगा अल्पसंख्यकों का कल्याण

उत्तम शिक्षा सभ्य समाज की बुनियाद रखने की पहली शर्त होती है। शिक्षा ही है जो मानव को उत्तम मानव बनाती है। बगैर सामाजिक वातावरण और शिक्षा के अभाव में तो इंसान का बच्चा भी पशुओं के सदृस व्यवहार करता नजर आ जाता है। इसलिए प्रत्येक काल में शिक्षा को महत्व दिया गया। ऐसी ही शिक्षा के महत्व को प्रतिपादित करते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने एक समारोह में कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय से अधिक इंजीनियर, आईपीएस और आईएएस अधिकारी आएंगे तो सभी प्रगति करेंगे। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति डॉ अब्दुल कमाल का उदाहरण देते हुए कहा कि आज हमारे सामने पूर्व राष्ट्रपति स्वर्गीय डॉ एपीजे अब्दुल कलाम का उदाहरण है। यह समझने वाली बात है कि यदि उन्हें पढ़ने का अवसर नहीं मिलता तो कुछ भी नहीं होता, शिक्षा की यही ताकत है। ऐसी शिक्षा जो इंसान को आगे बढ़ने की सोच प्रदान करती है। शिक्षा ही है जो जीवन मूल्यों को आगे बढ़ाते हुए समाज व देश को सही दिशा प्रदान करने वाले मानव का निर्माण करती है। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने इस आशय की बातें एक दीक्षांत समारोह के दौरान कहीं और चूंकि वो धर्म, जाति और संप्रदाय की बातें सार्वजनिक तौर पर नहीं करते सो उन्होंने यहां पर भी पिछले साल हुए लोकसभा चुनाव के दौरान कही गई बात को दोहराया और कहा कि 'जो करेगा जात की बात, उसको मारूंगा लात।' यह तो आर्षवाक्य होना चाहिए और सिर्फ राजनीति में नहीं बल्कि हर क्षेत्र में इसका ध्यान रखा जाना चाहिए, फिर चाहे वो शिक्षा के साथ निजी और सरकारी नौकरियों में भर्ती का मामला ही क्यों न हो। वैसे भी गडकरी अपने बेबाक बयानों के लिए भी जाने जाते हैं, इसलिए इस तरह की बात सुनकर भी लोगों को नहीं लगता कि वो कुछ ज्यादा बोल गए, या उनकी बात में कुछ अनुचित समाया हुआ है। जहां तक शिक्षा की बात है तो इसमें शक नहीं कि शिक्षा पर फोकस किया जाना चाहिए, लेकिन इससे पहले यह भी तय करना होगा कि शिक्षा सिर्फ बाबू और अधिकारी बनाने वाली नहीं होनी चाहिए। एक ऐसी शिक्षा की दरकार हमेशा से है और होनी भी चाहिए जो समाज कल्याणकारी मानव को निर्मित करती हो। पर अफसोस कि हमारी शिक्षा का ऊपरी ढांचा तो भारतीय नजर आता है, लेकिन उसके अंदर समायी हुई आत्मा अंग्रेजों की गढ़ी हुई है, जो अच्छा इंसान बनाने की बजाय क्लर्क तैयार करने पर विशेष जोर देती है। यह एक बात है, दूसरी बात यह कि शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में जो ईमानदारी आजादी के इतने सालों बाद उभरकर सामने आनी चाहिए थी, वह कहीं से भी नजर नहीं आई है। नतीजे में उच्चशिक्षित योग्य युवा दर-दर की ठोकरें खाते नजर आ जाते हैं, जबकि सिफारिशी और राजनीतिक पहुंच वाले कम योग्य व्यक्ति उच्च पदों पर सुशोभित होते देखे जा सकते हैं।

इंसान के जीवित रहने के लिए बेहद जरूरी है वन्य -प्राणी

विश्व में अब तक 8590 प्रकार के पक्षियों 2786 प्रकार के स्तनपाई जीवों 5480 प्रकार के सरीसृप वर्ग के जीवो तथा 128 प्रकार के समुद्री स्तनपाई जीवों के विषय में जानकारी प्राप्त हो सकी है। अनगिनत प्रकार की मछलियां, तितलियां तथा कीड़े मकोड़े इनके अतिरिक्त है। हिंदुस्तान में 1200 से अधिक प्रकार के पक्षी तकरीबन 500 प्रकार के स्तनपाई जीव अनेक प्रकार के सरीसृप वर्क के जीव तथथा समुद्री स्तनपाई जीव पाए जाते हैं। बेहतरीन जलवायु होने की वजह से जितने प्रकार के अति सुंदर पक्षी हमारे मुल्क में पाए जाते हैं। उतने अकेले किसी देश में देखने को नही मिलते। इसके अतिरिक्त साइबेरिया एवं अन्य बेहद ठंडे मुल्को से भी ठंड के प्रकोप से बचने के लिए काफी बड़ी संया में प्रवासी पक्षी शरद ऋतु में हमारे यहां आते हैं। ये प्रवासी पक्षी पूर्वी पश्चिमी पहाड़ियों उड़ीसा में चिल्का उद्यान सहित केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान में आकर प्रवास करते हैं।

खास बात यह है कि वन्यजीव भारत और अफ्रीका में ही सबसे अधिक और विविध आकार प्रकार के मिलते हैं। हालांकि प्रकृति में प्रजातियां विलुप्त होती रहती हैं। यह सामान्य बात है। लेकिन वर्ल्ड वाइड फॉर नेचर के मुताबिक आज प्राकृतिक विलुप्त की दर से यह 1,000 से 10,000 गुना अधिक है और इसकी अहम वजह है। पशुओं के प्राकृतिक आवासों में द्रुत गति से गिरावट शिकार और उसके साथ क्रूर बर्ताव। यदि प्रजातियों के विलुप्त होने की यही गति रही और इस अनुमान को न्यूनतम भी माने तो धरती पर रहने वाली प्रजातियों में से तकरीबन 200 से 2,000 के बीच प्रजातियां आने वाले समय में पूरी तरह विलुप्त हो जाएगी। पशुओं के साथ खासकर जंगली जानवरों के साथ क्रूरता की अहम वजह शिकार रही है 7 वन्य जीवों की अनेक प्रजातियां तो सिर्फ शिकार की वजह से समाप्त हो गई7 यदि भारत की सीमाओं से परे हटकर देखें तो नेशनल ज्योग्राफिक के मुताबिक दस सालों के भीतर एक लाख से अधिक अफ्रीकी हाथियों को सिर्फ उनके हाथी दांत की वजह से मौत के घाट उतार दिया गया। चीन हाथी दांत का सबसे बड़ा उपभोक्ता हैं। वह पर 2018में हाथी दांत पर प्रतिबंध लगा दिया जाने की वजह से हाथियों के शिकार में काफी कमी आई है। वन्य जीवों पर काम करने वाली संस्था ट्रैफिक की एक रिपोर्ट इंडियन वाइल्डलाइफ एमिडस्ट द कोविड - 19क्राइसिस के मुताबिक लॉकडाउन के दौरान काफी बड़ी संख्या में वन्य जीव के शिकार के मामले सामने आए। शिकार प्रेमी मुगल शासक के शासन काल में सर्वाधिक शिकार होने के कारण वन्य जीवों की संख्या कम हुई, सन् 1600से अनेक देशों में पशु पक्षियों का शिकार बढ़ने से और उसकी तकरीबन 270प्रजातिया तो हमेशा के लिए समाप्त हो गई, इसके बावजूद भी अनेक देशों में वन एवं वन्य जीव संरक्षण का अभाव बना हुआ है, यदि इन देशों की यही स्थिति रही तो पशु एवं पक्षियों की तकरीबन 500से अधिक प्रजातियां ओर विलुप्त हो जायेगी। अंग्रेजी शासन से पहले तक काफी बड़े क्षेत्र में वन होने से वन्य जीव बहुत बड़ी संख्या में थे। लेकिन जनसंख्या में वृद्धि के कारण वनों में वृक्षों का कटना शुरू हुआ उसकी वजह से वन्य जीवों के आवास स्थल छोटे होते होते चले जाने के कारण उनकी संख्या में कमी आना प्रारंभ हो गई। मुगलों और ब्रिटिश शासन काल में शिकार योग्य वन्य जीव काफी बड़ी संख्या में उपलब्ध थे। मुगल शासक तथा राजा महाराजा अपने सेनिको को साथ लेकर धूमधाम से शिकार के लिए निकलते थे। हांका लगाकर तथा घेरा डाल कर वन्यजीवों का शिकार किया जाता था। 19वीं शताब्दी के मध्य से शिकार करने के शस्त्रों में वृद्धि होने। विशेष कर बोर राइफल तथा एक्सप्रेस राइफल के बनने के कारण वन्यजीवों के शिकार एवं संहार में वृद्धि शुरू हुई। अंग्रेज तथा भारतीय अधिकारियों व चाय बागानों के मालिक शिकार के बहुत शौकीन होते थे। ये शिकारी न केवल सिंह, बाघ, तेंदुए, चीते जैसे बड़े वन्य जीवों का बड़े पैमाने पर शिकार करते थे। बस आखेट की हवस व झूठी शान के कारण हिरण, सांभर , जंगली सुअर, लोमड़ी ,खरगोश आदि छोटे जीवों का भी बहुत बड़ी संख्या में शिकार करते थे। शिकार के शौकीनों के कारण अनेक प्रकार की आकर्षक चिड़िया भी भूनें जाने से नहीं बचीं। 19वीं शताब्दी के अंत में भारत में बाघों की भारी संख्या थी ,शिकार के कारण तथा उनकी खाल के काफी मंहगे दामों में बिकने की वजह से यह अत्यंत आकर्षक एवं गौरवशाली जीव का बहुत अधिक शिकार हुआ। तेंदुए का भी उनकी सुंदर खाल के लालच में बड़ी संख्या में शिकार हुआ है। लेकिन मामला इतने पर खत्म नहीं होता यह तो हरि अनंत हरि कथा अनंता जैसा है। भारत बर्ष के अनेक राजमहलों के संग्रहालयों बाघों एवं तेंदुओं की खाल को साफ कर दीवारों पर लटकाया गया है यह तक की फर्श पर भी बिछाया गया। आज से तकरीबन 75 वर्ष पूर्व तक ही सिंह भारत के अनेक भागों में, यहां तक की दिल्ली एवं हरियाणा के पास के वनों में भी पाए जाते थे, वनों के समाप्त होने तथा शिकार करने के कारण सिंह तथा अन्य क्षेत्रों से लुप्त होकर अव केवल सौराष्ट्र के गिर वन में ही सिमट कर रह गए हैं। सरकारी जानकारी के अनुसार चीतों को अंतिम बार 1952 में तमिलनाडु राज्य के चित्तूर जिले में देखा गया था, चीतों का इतनी बड़ी संख्या में शिकार हुआ है कि व भारत से पूर्णता विलुप्त हो गए, अब इनको किसी चिड़ियाघर में अथवा मध्य प्रदेश के कूनो अभियारण में देखा जा सकता है। एक पारिस्थितिकी तंत्र होता है, जिसमें सभी प्राणी अपनी प्रकृति के मुताबिक रहते हैं। लेकिन पिछले कुछ सालों में हमारा पारिस्थितिकी तंत्र नष्ट हो रहा है जंगल कट रहे हैं जिसकी हालांकि कई वजह हो सकती है सरकार से मिले आंकड़ों के मुताबिक विगत तीन दशकों में तकरीबन 23.716 परियोजनाओं के लिए 14.000 वर्ग किलोमीटर जंगलों को साफ किया गया इसके अतिरिक्त वनों की कटाई का एक बड़ा कारण पशुपालन भी है। क्योंकि मांस, अंडे ,वह अन्य डेरी उत्पादन के लिए चारा और चारे के लिए जमीन की आवश्यकता होती है। जिसके लिए जंगलों को बड़ी बेरहमी से काटा जाता है है, जाहिर की जब वन भूमि प्रभावित होगी तो वह रहने वाले पशुओं के समक्ष खाद्य ,सुरक्षा का भी संकट मंडराने लगता है। जब मनुष्य जानवरों के आवासों का अतिक्रमण कर लेता है। तो उन जानवरों के लिए शेष बचे हुए वन में रह पाना मुश्किल हो जाता है और वे जंगल से भागकर रहवासी इलाकों की ओर आते है जहां मनुष्य की क्रूरता का शिकार हो जाते हैं। केरल में जिस हथिनी की मौत हुई वह भी निकटवर्ती जंगल से रह वासी इलाके में आई थी। पशुओं के साथ खासकर जंगली जानवरों के साथ घूमता की बड़ी वजह शिकार रही है। पशुओं की के प्रजातियों का तो केवल शिकार के कारण ही अस्तित्व पूर्णता समाप्त हो गया है। अगर भारत की सीमाओं से परे देखें तो नेशनल ज्योग्राफिक के मुताबिक साल 2014 से 2017 के दौरान एक लाख से अधिक अफ्रीकी हाथियों को केवल उनके हाथी दांत की वजह से मौत के घाट उतार दिया गया। चीन में हाथी दांत का बड़ा उपभोक्ता रहा है। वहां हाथी दांत पर प्रतिबंध लगाने के कारण बाद के सालों में हाथियों के शिकार में काफी कमी आई। वन जीवन पर काम करने वाली संस्था ट्रैफिक की एक रिपोर्ट इंडियन वर्ल्ड लाइफ बी डिस्टेंस द कोविद-19 क्राइसिस के अनुसार लॉकडाउन के 6 सप्ताह 23 मार्च से 3 में में वन जीव के शिकार के 88 मामले सामने आए।

पहले सप्ताह में 10 जनवरी से 22 मार्च के दौरान मामलों की संख्या 35 थी यानी इस अवधि में शिकार की संख्या लगभग दुगनी हो गई। उधर बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में अक्टूबर 2024 में 10हाथियों की मौत मौत की असल वजह अभी तक सामने नहीं आ सकी है। हालांकि बांधवगढ़ में हाथी और बाघों की मौत का सिलसिला नया नहीं है। एनटीसीए के अनुसार 2021से2024तक बांधवगढ़ में 93बाघों की मौत हुई। जो कि देश के किसी भी टाइगर रिजर्व से अधिक है। 1970 तक नदी -घाटी योजनाओं, विस्थापन,नगरो एवं कारखानों , कृषि विस्तार आदि के लिए वनों का सफाया होता रहा। वनों में अनियंत्रित चराई ,निस्तार अधिकारों की आड़ में निरंतर बढ़ती ग्रामीण जनसंख्या द्वारा अवैध रूप से लकड़ी का काटना भी वन्य जीवों के आवास स्थलों को छोटा करता रहा। वन्य जीवो के निरन्तर हास, अवैध शिकार ,व्यापार ,कहीं-कहीं पर नृशंक संहार तथा कुछ जातियों के विलुप्त होने की सीमा तक पहुंच जाने के कारण वन्य प्राणी प्रेमियों एवं केंद्र तथा राज्य सरकारों को और अधिक गंभीरता से वस्तु स्थिति के प्रति सजगता उत्पन्न हुई। 1977में संकट ग्रस्त एवं विलुप्त हो रही वन्य जीव जातियों के शिकार एवं अवैध शिकार पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया। उक्त प्रतिबंध के आशाजनक परिणाम सामने आए हैं। अब समूचे भारत बर्ष में वन्य जीवों की संख्या में निरंतर बृद्धि हो रही हैं। वन्य जीव संरक्षण कानून पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960के कारण काजरिगा राष्ट्रीय उद्यान में गेंडों की संख्या बढ़ कर तकरीबन 1000हो गई है। जलदपाडा एवं मानस अभयारण्यो तथा अन्य वन क्षेत्रों को मिला कर इस समय देश में लगभग 3000से अधिक गैडे है। भारत सरकार द्वारा वन्य जीवों के संरक्षण की दिशा में किए गए प्रयासों के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। संरक्षित क्षेत्रों की संख्या बढ़ने के साथ शेर बाघ और तेंदुओं की संख्या में इजाफा हुआ है भारत में वर्तमान में 674 शेर, 12,852 तेंदूए, 2,967 बाघ है। नामीबिया से लाई गई मादा चीता ज्वाला सहित 12चीते कूनो-पालपुर नेशनल पार्क के खुले जंगल में स्वच्छद रुप से घूम रहे हैं। कूनो-पालपुर में चीते बसाने के पश्चात अब मध्यप्रदेश सरकार भोपाल के वन विहार में जिराफ़ और जेब्रा को बसाने की तैयारी में जुट गई है। गौरतलब बात है कि अकेले मध्य प्रदेश में 526टाइगर है। 18राज्यो में तकरीबन 75,000वर्ग किमी क्षेत्र में 52टाइगर रिजर्व है जबकि मध्य प्रदेश में 9है। बाघों की संख्या दोगुनी करने में भी भारत ने कीर्तिमान स्थापित किया है। वर्तमान में देश में 5.03 प्रतिशत संरक्षित क्षेत्र है। फैशन परस्ती के अन्य साधनों के साथ -साथ मगर की खाल से बनी वस्तुएं उच्चस्तरीय रहन-सहन का मापदंड बन गई है। इनकी मजबूत एवं बेशकीमती खाल ही इनकी जानलेवा बन गई है। काफी बड़ी संख्या में मगरों और घड़ियालों का संहार हुआ है। उससे फिक्रमंद होकर भारत सरकार ने इनको भी रक्षित जीव घोषित कर दिया है और मगर और घड़ियालों के शिकार, व्यापार एवं खाल से बनी वस्तुओं के निर्यात कर रोक लगा दी है। इनकी संख्या में वृद्धि करने के लिए केन्द्रीय अनुदान द्वारा एक दर्जन प्रजनन केंद्र स्थापित किए गए हैं।

एआई की बढ़ती क्षमता से इंसानी विवेक को चुनौती

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के विकास ने तेजी पकड़ ली है। सट्टा बाज़ार में अरबों-खरबों का सवाल यह है कि इसे नियंत्रित कौन करेगा? अमेरिका और चीन के पास सबसे उन्नत एआई है। यही दोनों दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं भी हैं, हालांकि 'बढ़िया समाज' को लेकर उनके विचार भिन्न हैं। इस सिद्धांत में एक पक्ष इस सोच से संचालित है कि उदार बाजार वाला लोकतंत्र सबसे बढ़िया होता है और एक बढ़िया समाज के लिए अर्थव्यवस्था का विशाल होना आवश्यक है। वहीं दूसरा पक्ष स्थिर शासन को महत्व देता है और मानता है कि एक अच्छी अर्थव्यवस्था के लिए सामाजिक सद्भाव मूलभूत अवयव है। अमेरिका को चिंता है कि एआई की दौड़ में चीन आ चुका है और शायद आगे निकल जाए। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, लोकतंत्र और मुक्त व्यापार के चैंपियन के रूप में, अमेरिका ने समाजवाद और घरेलू उद्योगों का संरक्षण करने वाली व्यवस्था के खिलाफ (जिसका प्रतिनिधित्व चीन करता है) दुनिया को अपने पीछे लामबंद किया। मखमली दस्ताने में लिपटी अमेरिका की 'सॉफ्ट पॉवर' रूपी लोहे की मुट्ठी ढकी-छिपी हुई थी- महाशक्तिशाली सैन्य ताकत और वैश्विक वित्तीय प्रणाली पर नियंत्रण-जिसके बूते उसका वैश्विक आधिपत्य रहा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यह दस्ताना उतार सच्चाई सामने ला दी। वे अमेरिका को फिर से 'महान' बनाना चाहते हैं और चीन का आगे निकलना गवारा नहीं करेंगे। सवाल यह कि बाकी दुनिया क्या बनना चाहती है ‒ ट्रंप के अमेरिका जैसी या शी जिनपिंग के चीन की तरह? या फिर दुनिया पर एआई का नियंत्रण बनने देना? मानवता के भविष्य के लिए दो बड़ी चिंताएं हैं ‒ नौकरियों के लिए प्रतिस्पर्धा कौन जीतेगा -मनुष्य या रोबोट? देशों के अंदरूनी और उनके आपसी वैचारिक टकरावों में कौन जीतेगा-उदार लोकतंत्रवादी या राष्ट्रीय रूढ़िवादी? वैश्वीकरणकर्ता या राष्ट्रवादी? इन अस्तित्वगत प्रश्नों के नीचे गहरे दार्शनिक सवाल छिपे हैं ‒ क्या एआई मनुष्यों की जगह ले सकती है? 'तर्कसंगत' उदारवादी 'वैकल्पिक' सत्यों के समुद्र में क्यों डूबते जा रहे हैं? क्या जटिल घटनाओं को गणितीय विश्लेषण द्वारा समझा जा सकता है? एलन मस्क की संगत में ट्रंप का सत्ता में लौटना और मानव नियंत्रण से बाहर होती जा रही एआई के साथ, यह दार्शनिक प्रश्न पूछना अनिवार्य हो गया है। मैं असल में कौन हूं? हमारे अस्तित्व का उद्देश्य क्या है? ये ऐसे चिरस्थायी प्रश्न हैं, जो हर जगह मनुष्य सदियों से पूछते रहे हैं। इस लेखक ने ट्रम्प के पहले कार्यकाल के दौरान लिखे एक निबंध में रोबोट की मानसिकता के बारे में अनुमान लगाया था, 'रोबोट और हाथी वाले (रिपब्लिकन) किसे वोट देंगे ‒ डोनाल्ड ट्रम्प या शी जिनपिंग?' जब तक हम यह नहीं जान लेते कि असलियत क्या है, तब तक यह पता नहीं चलेगा कि कृत्रिमता क्या है।

जवाबों की तलाश में, लेखक ने कई किताबें पढ़ीं -एआई, गणित, सामाजिक विज्ञान, नैतिक विज्ञान और दर्शन शास्त्र की। कर्ट गोडेल और जॉर्डन एलेनबर्ग, इन दोनों प्रख्यात गणितज्ञों ने गणित की सीमाओं को साबित किया है। एलेनबर्ग 'हाउ नॉट टू बी रोंग ‒ द पावर ऑफ़ मैथमेटिकल थिंकिंग' में कहते हैं ‒ 'एक वास्तविक खतरा यह कि गणितीय विश्लेषण करने की अपनी क्षमताएं मजबूत करके, कुछ सवालों का हल पा जाने के बाद, हम अपनी धारणाओं पर अडिग आत्मविश्वास बना बैठते हैं, जो कि अनुचित रूप से उन चीजों तक भी विस्तारित हो जाता है, जिनके बारे में हम अभी तक गलत हैं।' विज्ञान और प्रौद्योगिकी चीज़ों की प्राप्ति का साधन मुहैया करवाते हैं। क्या किया जाना चाहिए ‒ काम करने का सही ढंग ‒ यह नैतिकता और दर्शन का मामला है, वे विषय जो विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित के पाठ्यक्रम से इतर हैं। मात्रात्मक और गणितीय क्षमता में गुणात्मक विस्तार करके प्राप्त 'वैज्ञानिक' होने की चाहत, अध्ययन के तमाम क्षेत्रों पर भी काफी हावी हो गई है। समाज को आकार देने वाली कई शक्तियां, जैसे कि सामाजिक सद्भाव और संस्थाओं में नागरिकों का भरोसा, इनको आसानी से मापा नहीं जा सकता। इसके अलावा,

आधुनिक विज्ञान में आस्था के लिए कोई जगह नहीं। जोनाथन हैडट की 'द राइटियस माइंड ‒ व्हाई गुड पीपल आर डिवाइडेड बाय पॉलिटिक्स एंड रिलीजन' नामक पुस्तक ज्ञान और विश्वास के दायरे के बीच विरोधाभास की गहन जांच करती है। हैडट ने भारत में शोध किया है। उन्होंने हाथी और महावत के उदाहरण का उपयोग मस्तिष्क के 'तर्कसंगत' हिस्से और आस्थाओं, विश्वासों और भावना वाले मानवीय व्यवहार को निर्देशित करने वाले 'गैर-तर्कसंगत' भाग के बीच संबंध समझाने के लिए किया है। हाथी बहुत बड़ा जानवर है। महावत (दिमाग का तर्कसंगत हिस्सा) चाहेगा कि गैर-तर्कसंगत हाथी उसके आदेशों का पालन करे। यह आसान नहीं। महावत को स्वीकार करना होगा कि हाथी के मिज़ाज का ख्याल रखकर चलना है, वरना वह उसे नीचे पटक देगा। हमारा विश्वास उन तथ्यों को तय करता है, जिसे हम स्वीकार करना चाहते हैं। तथ्य-जांचकर्ताओं के पास भी विश्वास होता है।

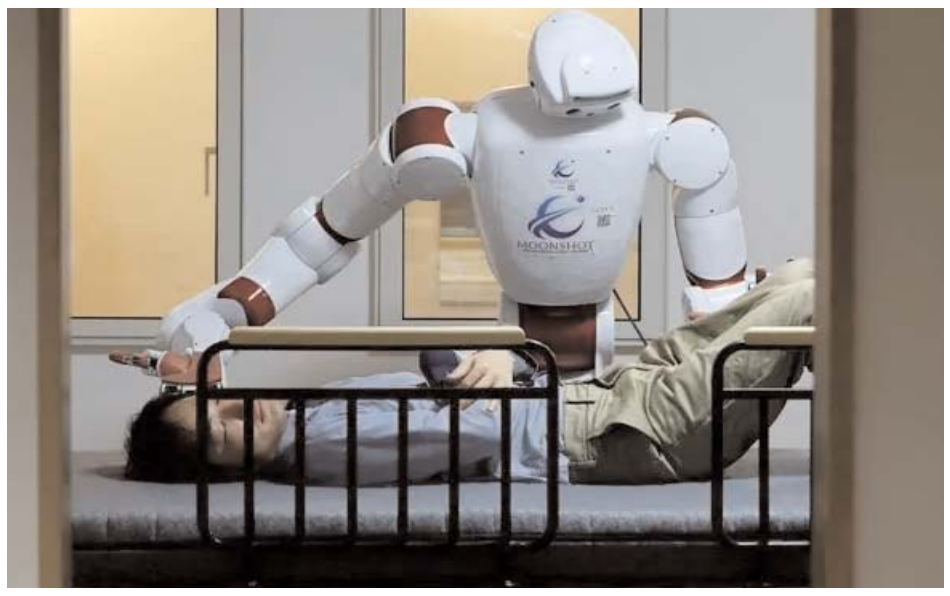

यहां तक कि वैकल्पिक तथ्यों की जांच करने के लिए एआई एजेंट के पास भी कुछ मूलभूल विश्वास होता है। एआई एजेंट अरबों इंसानी फैसलों की तुलना करके खुद को प्रशिक्षित करते हैं। उन निर्णयों को लेने वाले मनुष्यों की मान्यताएं एआई एजेंटों की मान्यताओं को आकार देती हैं। चूंकि अमेरिका एक जीवंत लोकतंत्र है, जाहिर है लोग अपने हकों के लिए और नेताओं के खिलाफ़ बोलने का अधिकार चाहेंगे। जबकि चीनी प्रणाली में व्यवस्था का महत्व है ‒ इसमें, लोगों की बजाय हुकूमत के अधिमान को तरजीह है। बेहतर एआई तकनीक विकसित करने को अमेरिका और चीन के बीच दौड़ जारी है। शायद चीन में सीखा एआई एजेंट शी जिनपिंग को वोट देना चाहेगा और अमेरिका में ट्रेंड रोबोट किसी और मुद्दे पर, परंतु एक चीज़ स्पष्ट है ‒ एआई हमें एक-दूसरे के पास नहीं लाएगा। सोशल मीडिया ने हमें पहले से ही वैचारिक रूप से बांटकर, अपने-अपने खोल में बंद उन समुदायों में गहराई तक विभाजित कर दिया है, जो एक-दूजे से नफरत करते हैं और एक-दूसरे की बात सुनने को राजी नहीं हैं। एआई ऐसे डिजिटल मंचों को और मजबूती दे रहा है। एआई एजेंट हमारे जीवन को पूरी तरह काबू कर लेंगे ‒ हमारे शरीर को चलाएंगे, हमारे लिए निबंध लिखेंगे और हमारे दोस्त बन जाएंगे। तब जो लोग हमें पसंद नहीं, उनके साथ मानवीय संबंधों की कोई आवश्यकता नहीं रहेगी। एआई-संचालित ड्रोन और रोबोट हमारे दुश्मनों को खोजकर, जो कोई उन्हें ऐसा प्रतीत होगा, हमारे प्रयासों के बिना ही उसका खात्मा कर देंगे। जल्द ही, एआई को मनुष्यों की भी जरूरत नहीं होगी। व्यस्त लोग शिकायत करते हैं कि उनके पास सोचने तक का समय नहीं।

एआई इसकी जरूरत ही खत्म कर देगा। इस लेखक का निबंध उन टवीट्स और लघु ब्लॉग्स से बहुत लंबा है, जिनके बारे में व्यस्त लोग कहेंगे कि उनके पास तो बस उन्हें पढ़ने जितना ही समय है। शायद एक एआई एजेंट उन किताबों को भी पढ़ और शोध कर सकता था जो इस लेखक ने पढ़ीं। अपनी अलग संवेदनशीलता और अलग 'दिमाग' के साथ, एक अलग निबंध तैयार कर सकता था, हो सकता है लेखक वाले से बेहतर या फिर दोयम, यह मूल्यांकनकर्ता के दृष्टिकोण पर निर्भर है। सर्वाधिक संभावना इसकी है कि एआई एक सार तैयार कर सकता था, जिससे पाठक का काफी समय बचता। यह उस तरह है कि 1,000 शब्दों का यह लेख पढ़ने में आपको पांच मिनट लग सकते हैं जबकि लेखक का पूरा निबंध पढ़ने में शायद एक घंटा लगता। यह लेख इस सवाल का जवाब नहीं देता कि एक एआई एजेंट किसे वोट देगा। हालांकि, यह यह सोचने में मदद कर सकता है कि आपके लिए मोल किसका हो, और आप अपने बच्चों को किस किस्म की दुनिया में बड़ा करना चाहते हैं।

ट्रांसफॉर्मर स्टोर में लगी भीषण आग

करीब 200 ट्रांसफॉर्मर जलकर राख, दूर-दूर तक दिखी लपटें और धुआं, 30 लाख का नुकसान

मीडिया ऑडीटर, रायगढ़ (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में ट्रांसफॉर्मर स्टोर एरिया में भीषण आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि करीब 200 ट्रांसफार्मर जल गए। आग की लपटें दूर से ही दिखाई दे रही थीं। 200 ट्रांसफॉर्मर जल गए। बिजली विभाग को करीब 30 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। घटना कोटरा रोड के गजानंद पुरम कॉलोनी की है।

मिली जानकारी के अनुसार आग सुबह 8 से 9 बजे के बीच लगी। आग लगते ही आस-पास के लोगों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। मौके पर 5 से ज्यादा फायर ब्रिगेड की गाड़ियां पहुंची। आग पर काफी हद तक काबू पा लिया गया है, लेकिन अभी भी दूर से धुआं दिखाई दे रहा है।

धुंए की वजह से लोगों को हुई परेशानी: स्थानीय लोगों ने बताया कि सुबह अचानक गजानंद पुरम कॉलोनी के पीछे से धुआं निकलने लगा। पहले तो लगा कि किसी ने कूड़े के ढेर में आग लगा दी है, लेकिन धीरे-धीरे आग भयावह होती चली गई। आग की लपटें दूर-दूर से दिखाई दे रही थीं।

कॉलोनी के लोगों ने बताया कि धुएं के कारण आसपास रहने वाले लोगों को काफी परेशानी हुई। आसपास रहने वाले लोग पहले तो आग बुझाने की कोशिश करते रहे, लेकिन आग की लपटें इतनी बढ़ गई थीं कि उसे बुझाना मुश्किल हो गया। 2023 में भी ट्रांसफॉर्मर स्टोर एरिया में आग लग गई थी।

आग से घर का सामान जल कर राख: गजानंद पुरम कॉलोनी में रहने वाले राहुल सोनी के घर का कुछ हिस्सा भी आग की चपेट में आ गया। घर के पीछे की खिड़की, दरवाजा, पाइप लाइन, बिजली केबल समेत कई सामान जल कर राख हो गए। फायर ब्रिगेड की मदद से आग को बुझाया गया। वहीं कॉलोनी के कुछ घरों को खाली कराया गया है।

फील्ड से लाकर रखे गए खराब ट्रांसफॉर्मर जले: मामले में स्टोर एरिया कार्यपालन अभियंता गुंजन शर्मा ने बताया कि जैसे हमारी टीम को जानकारी मिली तुरंत मौके पर पहुंचे हैं। आग बुझाने की कोशिश जारी है। फील्ड से जो खराब ट्रांसफॉर्मर आते हैं, वही यहां रखे हुए थे। भीषण आग एक ट्रांसफॉर्मर से दूसरे ट्रांसफॉर्मर तक पहुंची है।

जिला सेनानी बी कुजूर ने बताया कि आग पर लगभग काबू पा लिया गया है। बिजली के केबल में लगी आग को हटाकर उस पर काबू पाया जा रहा है। फायर ब्रिगेड की गाड़ियां लगातार पानी की बौछारें कर रही हैं। केबल में लगी आग को फोम से भी बुझाया जा रहा है।

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने 6 लोगों को कुचला, 3 मौत

एनएच किनारे टहल रहे थे ग्रामीण, टक्कर के बाद नाले में घुसी गाड़ी

मीडिया ऑडीटर, धमतरी (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने 6 लोगों को टक्कर मार दी, जिससे 3 ग्रामीणों की मौत हो गई। हादसे में स्कॉर्पियो मालिक समेत 4 लोग घायल भी हुए हैं। मृतक और घायल एक ही गांव के रहने वाले हैं। मामला बिरेझर चौकी क्षेत्र के दरबा गांव का है।

मिली जानकारी के मुताबिक भावेश साहू (21), गोलू यादव (24) और खिलेश्वर सपहा (20) की जान गई है। वहीं घायल डिगु यादव, पुष्कर निर्मलकर, नरेंद्र यादव का इलाज नजदीकी अस्पताल में जारी है।

अब जानिए कैसे हुआ हादसा: दरअसल, धमतरी नेशनल हाईवे किनारे दरबा गांव के 8 लोग साथ में टहल रहे थे, तभी रविवार रात करीब 10 बजे एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अभनपुर की ओर से आ रही थी। अचानक स्कॉर्पियो बेकाबू हो गई। सड़क किनारे टहल रहे ग्रामीणों को चपेट में ले लिया।

स्कॉर्पियो की टक्कर से सभी इधर-उधर फेंका गए। वहीं कुछ युवक स्कॉर्पियो के चपेट में आ गए। इसमें 2 युवकों की ऑन द स्पॉट डेथ हो गई, जबकि तीसरे ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। ग्रामीणों को रौंदने के बाद स्कॉर्पियो नाले में जा घुसी।

घायलों को भेजा गया अभनपुर अस्पताल: हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोगों को जैसे ही जानकारी मिली, उन्होंने तत्काल एम्बुलेंस और पुलिस को सूचना दी गई। जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अभनपुर अस्पताल पहुंचाया।

मामले में एसडीओपी रागिनी तिवारी ने बताया कि हादसे के बाद ड्राइवर फरार हो गया। स्कॉर्पियो मालिक अंदर ही फंसा हुआ था, उसे हल्की चोट आई है। वाहन मालिक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। साथ ही फरार ड्राइवर की तलाश जारी है। शवों को पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंपा गया है।

युवक के सिर पर गोदा चाकू

मीडिया ऑडीटर, रायगढ़ (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में कुछ लोगों ने मिलकर एक युवक की लात-घूसों से पिटाई कर दी। साथ ही चाकू से उसके सिर पर भी वार कर दिया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र की है।

मिली जानकारी के मुताबिक अमली भौना क्षेत्र में रहने वाला आकाश यादव (28) रविवार को अपने 3 दोस्तों के साथ पचधारी डैम गया हुआ था।

जहां आकाश डैम से दूर अपनी बाइक में बैठा था और उसके दोस्त डैम में नहा रहे थे। तभी कुछ युवक वहां पहुंचे और उसमें से एक युवक मेरे भाई को मारा है कहकर मारपीट शुरू कर दी।

इसके बाद उसके साथियों ने भी उसकी पिटाई कर दी। इसी दौरान किसी ने चाकू से आकाश के सिर पर वार कर दिया।

सिर पर आयी गंभीर चोट: इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। मारपीट की घटना को अंजाम देकर सभी युवक वहां से भाग गए। घटना के बाद आकाश को इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां उसके सिर पर करीब सात टांके लगे। इसके बाद घायल अपने परिजनों के साथ कोतवाली पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराया।

मामले में पुलिस जांच कर रही: इस संबंध में कोतवाली प्रभारी एनू देवांगन ने बताया कि पचधारी में युवक नहाने गए थे। तभी मारपीट की घटना हुई है। युवक के सिर पर चोट आई है। पचधारी प्रतिबंधित क्षेत्र है। फिलहाल मामले में अपराध कायम पुलिस आगे की जांच कर रही है।

कॉन्स्टेबल ने वर्दी का रौब दिखाकर मारा चाकू

सीएसपी बोले-आरक्षक ने नहीं की मारपीट, 2 दिनों में 11 जगह हुई चाकूबाजी

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। बिलासपुर जिले में बीते 2 दिन के भीतर मारपीट के 100 से ज्यादा केस दर्ज हुए हैं। होली पर्व के दौरान हुए विवाद के चलते 2 दिन तक मारपीट और चाकूबाजी जैसी वारदातों की शिकायतें होती रही। जिले में रंगोत्सव के दौरान 11 जगहों पर चाकूबाजी हुई।

पुलिसकर्मियों पर हुड़दंगियों ने हमला किया तो वहीं, कॉन्स्टेबल ने वर्दी का रौब दिखाकर पड़ोसी पर चाकू से हमला कर दिया। सर्वाधिक 23 मामले सरकंडा थाने में दर्ज किया गया है तो वहीं, सकरी थाना क्षेत्र में मारपीट के 14 वारदातें हुई हैं।

सीएसपी बोले- आरक्षक ने नहीं की मारपीट: इधर, सिविल लाइन सीएसपी निमितेश सिंह ने बताया कि युवक ने थाने आकर शिकायत की थी, जिसकी जांच कराई गई। जांच में युवक के शरीर में किसी तरह की चोट नहीं आई थी। बाद में वह अपने आप को घायल कर अस्पताल में भर्ती हुआ है। उन्होंने बताया कि आरक्षक के भाई राकेश कुर्रे के साथ युवक शराब के नशे में मारपीट कर रहा था। इस दौरान आरक्षक विकास कुर्रे ने बीच-बचाव किया है। जिस पर धक्का-मुक्की हुई है। लेकिन, चाकू या फिर किसी हथियार से हमला नहीं किया गया है।

चौक-चौराहों पर जवानों को किया गया था तैनात: होली पर्व पर शहर के चौक-चौराहों पर पुलिस जवानों को तैनात किया गया था। इसके साथ ही पुलिस की गश्ती भी बढ़ाने का दावा किया गया। खुद एसपी रजनेश सिंह रंग पर्व के दौरान शहर का जायजा लेने निकले थे। बावजूद इसके जगह-जगह बदमाश सक्रिय रहे। शुक्रवार को होली पर्व के दौरान लगातार मारपीट और चाकूबाजी होने की शिकायतें मिलती रही। जिसके बाद पिछले दो दिन से जिले के थानों में मारपीट और बलवा का केस दर्ज करने का सिलसिला चलता रहा।

होली पर्व में हुई चाकूबाजी, 11 मामले दर्ज: पर्व के दौरान दो दिनों में जगह-जगह चाकूबाजी की घटनाएं हुई। बदमाशों ने मामूली विवाद को लेकर जमकर चाकू चलाए और युवकों को घायल कर दिया। जिले में दो दिन के भीतर चाकूबाजी की 11 मामले सामने आए, जिसमें पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। इसके साथ ही चाकूबाजों की धरपकड़ भी की गई है।

आरक्षक ने ऑटो चालक को मारा चाकू: तालापारा बजरंग चौक के पास तोपेश दिवाकर ऑटो चालक है। उसने बताया कि शुक्रवार की शाम वो होली खेल रहा था। इस दौरान मोहल्ले के युवक भी थे। वहीं, पड़ोसी विकास कुर्रे कांस्टेबल है, जो पिछले कई दिनों से तोपेश को धमकी दे रहा था। वो शराब के नशे में आया और तोपेश पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। जिसके बाद केस दर्ज कराने पर जान से मारने की धमकी देने लगा। इस हमले में घायल तोपेश अस्पताल में भर्ती है। उसने आरक्षक के खिलाफ सिविल लाइन थाने में केस दर्ज कराया है।

बदमाशों ने चाकू से किया ताबड़तोड़ वार: तोरवा क्षेत्र के देवरीडीह निवासी अरूण दास (32) होली पर्व के दौरान अपने घर पर था। उसी समय मोहल्ले के सोम चौहान, मनीष, करण, शुभम बंजारा आए। नशे में युवक घर के सामने गाली देने लगे, जिन्हें अरूण ने मना किया।

इससे नाराज युवकों ने मिलकर उसके पीठ-पेट सहित अन्य जगहों पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया, जिससे वो खून से लथपथ होकर घायल हो गया। युवक को परिजनों ने इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। वहीं, पुलिस ने हमलावरों पर केस दर्ज कर लिया है।

मामूली विवाद का बदला लेने चाकू से हमला: कोतवाली क्षेत्र के टिकरापारा में रहने वाले संजय यादव ने पुलिस को बताया कि होली के दिन राजा यादव, राहुल, नितिन का लक्की गंधर्व और संजू रजक के साथ विवाद हुआ था। रात को वो बुध मंदिर गली में अपने घर के पास खड़ा था। तभी राहुल गोस्वामी, लक्की, सोनू और उसके साथी आकर सुबह हुए विवाद पर गाली-गलौज करने लगे।

स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर निगम कमिश्नर का सघन दौरा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव के निर्देशानुसार नगर निगम के महापौर राम नरेश राय के मार्गदर्शन में नगर निगम के आयुक्त रामप्रसाद आचला विगत दिवस अपनी टीम के साथ स्वच्छता सर्वेक्षण वर्ष 2024 ओडीएफ़ प्लस की तैयारियों को लेकर नगर के वार्डों में पहुँचकर साफ़-सफ़ाई के संबंध में जानकारी लेते हुए मूलभूत आवश्यकताओं से रूबरू हुए।

कमिश्नर आचला ने हल्दीबाड़ी के मुक्तिधाम में निर्माण कार्य का जायज़ा लिया एवं शहर के ब्यूटीफ़िकेशन का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा के भीतर कार्य को पूर्ण करने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। वही हल्दीबाड़ी के ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (एसएलआरएम सेंटर) के निरीक्षण उपरांत कमिश्नर ने स्वच्छता दीदियों, स्वच्छता सुपरवाइजर, सफ़ाई कर्मचारियों को वार्ड में डोर टू डोर कचरा कलेक्शन में विशेष जोर देने निर्देशित किया।

आयुक्त ने आमजनों से अपील करते हुए कहा कि आगामी दिनों में शहर में स्वच्छता सर्वेक्षण होने वाला है अतः आप लोग स्वच्छता अपनाए तथा अपने आस-पास के लोगों को घरों के पास सफ़ाई बनाने समझाईश देवें, कमिश्नर ने स्वच्छता सर्वेक्षण को ध्यान में रखकर आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। इस दौरान नगर निगम के सहायक अभियंता विजय बधावन, स्वच्छ्ता अधिकारी उमेश तिवारी मौजूद रहे।

युवक की चाकू गोदकर हत्या

मर्डर के बाद आरोपी ने इंस्टाग्राम पर लिखा- सबको मारूंगा, जेल में मेरा राज

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के धमतरी में एक युवक की चाकू से हत्या कर दी गई। आरोपी ने वारदात के बाद खून से सने चाकू की तस्वीर इंस्टाग्राम पर पोस्ट की। साथ ही धमकी भरा संदेश भी लिखा कि सबको मारूंगा, जेल में मेरा राज है। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

घटना की जानकारी मिलते ही मोहल्ले के लोग मौके पर पहुंचे। वे खून से लथपथ युवक को तुरंत नजदीकी निजी अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। इस घटना से पूरे वार्ड में दहशत का माहौल है।

युवक को चाकू से कई बार गोदा: पुलिस ने देर रात मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मर्चुरी भिजवा दिया है। वहीं आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। जानकारी के मुताबिक भटगांव चौक में टिकेश्वर साहू (22) को इंद्रजीत साहू ने चाकू से कई बार गोदा। इंद्रजीत साहू चाकू मारने के बाद मौके से फरार हो गया। वार्ड वासियों ने टिकेश्वर साहू को खून से लथपथ युवक को निजी अस्पताल ले गए।

होली के दिन हुआ था विवाद: थाना सिटी कोतवाली प्रभारी राजेश मरई ने बताया कि आरोपी इंद्रजीत साहू (19) को गिरफ्तार कर लिया गया है। होली पर्व के दौरान दोनों में बीच विवाद हुआ था। इसी बात को लेकर रविवार की शाम फिर से बहस हुई।

इंद्रजीत साहू ने अपने पास रखे धारदार चाकू से टिकेश्वर साहू की हत्या कर दी। आरोपी इंद्रजीत साहू ने मृतक टिकेश्वर साहू को चाकू मारने के बाद उसी चाकू को अपने इंस्टाग्राम आईडी पर स्टोरी अपलोड किया। चाकू को दिखाते हुए स्टोरी में लिखा कि सबको मारूंगा। साथ ही स्टोरी में अपने चाकू को दिखाते हुए खून से लथपथ हाथ-पैर को भी दिखाया था।

ट्रेन से फिसला,बाल-बाल बची जान

हसदेव एक्सप्रेस में हादसा, रेलवे ट्रैक के नीचे आ गया यात्री, लोगों ने बचाई जान

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। बिलासपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म पर बड़ा हादसा टल गया। रायपुर से कोरबा जाने वाली ट्रेन में एक यात्री का पैर फिसल गया, जिससे वो ट्रैक के नीचे आ गया, इस दौरान मौजूद यात्रियों ने किसी तरह उसे बाहर निकाला। जिससे उसकी बाल-बाल जान बच गई। दरअसल, घटना दो दिन पहले रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म की है। रायपुर से कोरबा जा रही हसदेव एक्सप्रेस में चढ़ते समय एक युवक का पैर फिसल गया और वो रेलवे ट्रैक के नीचे ट्रेन के बीच फंस गया।

यात्रियों ने बाहर निकालकर बचाई जान: प्लेटफार्म नंबर 2 पर ट्रेन पहुंची तब एक युवक चढ़ने लगा। इस दौरान पैरदान से उसका पैर फिसल गया और वो ट्रैक के अंदर फंस गया। उसे देख कर मौजूद यात्री दहशत में आ गए। मौके पर मौजूद यात्रियों ने किसी तरह उसे बाहर निकालने की कोशिश की, लोगों ने कड़ी मशक्कत और सूझबूझ से युवक को सुरक्षित बाहर निकाला, तब उसने राहत की सांस ली।

अब सोशल मीडिया में वायरल हो रहा वीडियो: युवक के ट्रेन और रेलवे ट्रैक के बीच फंसने का किसी ने वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें रेलवे ट्रैक पर फंसे यात्री को लोग बाहर निकालते दिख रहे हैं। खास बात ये है कि हादसे में युवक को किसी तरह चोट नहीं आई और सही समय पर उसे बचा लिया गया। सोशल मीडिया पर वायरल यह वीडियो लोगों को यात्रा के समय सावधानी रखने के साथ ही जागरूक भी कर रहा है।

मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख की सहायता राशि स्वीकृत

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग, मंत्रालय महानदी भवन, नया रायपुर द्वारा राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 में संशोधित प्रावधान के अनुसार, राजस्व पुस्तक परिपत्र 6(4) के परिशिष्ट-1 की कंडिका-6(क)(1) के तहत प्राकृतिक आपदा राहत के अंतर्गत आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत करने का प्रावधान किया गया है। इसके तहत ग्राम बाही तहसील केल्हारी में मंगली की मृत्यु तलाब में डूबने के कारण हो गया था। जिससे उनके पति समयलाल आ0 बासू को 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है। इसी प्रकार, जगमोहन आ0 इन्द्रपाल सिंह निवासी ग्राम घुटरा तहसील केल्हारी की मृत्यु तालाब में डूबने से हो गया था जिसके माता सुमित्रा गोंड को 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है। इसी प्रकार नागपुर तहसील के ग्राम कोथारी निवासी जय सिंह की नदी की पानी में डूबने से हुई मृत्यु हो गया था, तो उनकी पत्नी दुआसिया को 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है।

सरभोका चिरमिरी-नागपुर रेल हॉल्ट भूमि अधिग्रहण हेतु दावा आपत्ति 25 मार्च तक

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी रा. के आदेशानुसार मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिला के ग्राम सरभोका तहसील मनेंद्रगढ़ उप तहसील नागपुर की जनता को सूचित किया जाता है कि प्रस्तावित चिरमिरी-नागपुर रोड हाल्ट (17 कि.मी.) रेल परियोजना के भूमि अधिग्रहण हेतु संयुक्त टीम गठित कर संयुक्त सर्वेक्षण/प्रस्ताव की कार्यवाही प्रारंभ के दौरान आवेदकगण क्रमांक 01 मंगल प्रसाद आत्मज धनसाय, क्रमांक 02 विजय आत्मज स्व. हीरा सिंह, क्रमांक 03 बीरबल आत्मज बाबूलाल, क्रमांक 04 प्रीतम सिंह आत्मज राम सिंह, क्रमांक 05 धनेष कुमार यादव आत्मज स्व. तेजीलाल यादव, क्रमांक 06 प्रभावती आत्मज पूरन अहिर, क्रमांक 07 शिवबालक आत्मज लखनलाल अहीर, क्रमांक 08 प्रीतम सिंह आत्मज राम सिंह वास्ते स्व. सरनाम आत्मज सुखराज गोंड, क्रमांक 09 कौशिल्या पति धीरसाय, क्रमांक 10 फुलकुंवर पति धीरसाय, क्रमांक 11 कृष्णा बाई पति स्व. रामकुमार, क्रमांक 12 सुकवरिया पति स्व. बाबूलाल, क्रमांक 13 मंगल प्रसाद आत्मज स्व. बाबूलाल, सभी निवासी ग्राम सरभोका तहसील मनेंद्रगढ़ जिला एमसीबी (छ.ग.) द्वारा इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत कर ग्राम सरभोका के वन अधिकार मान्यता पत्र प्राप्त पट्टा एवं भूमिस्वामी अधिकारों की मंजूरी के लिये पट्टा (तिरंगा पट्टा) खसरा नम्बर/भूखण्ड क्रमांक/कम्पार्टमेंट नम्बर 268, 271, 269, 260, 263, 275, 267, 268, पी. 755 की भूमि के संबंध में मुआवजा हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उपरोक्त वर्णित भूमि के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा आपत्ति पेश करना है, तो 25 मार्च 2025 तक पेश कर सकता है। निर्धारित तिथि के पश्चात् प्राप्त किसी भी प्रकार की आपत्ति अथवा दावा स्वीकार नहीं किया जायेगा।

नगरीय प्रशासन सचिव ने वीडियो कांफ्रेसिंग से ली समीक्षा बैठक

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग छ.ग. शासन के सचिव ने विगत गुरुवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा ली गई। बैठक में विभिन्न ऐजेंडावार बिन्दुओं की जानकारी शासन ने नगर निगम के आयुक्त रामप्रसाद आचला से मांगी, आयुक्त रामप्रसाद आचला ने नगर निगम चिरमिरी के विभिन्न एजेण्डा जानकारी शासन को उपलब्ध कराई। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग हेतु एजेंडा, निकायों में ग्रीष्म काल के पूर्व जल प्रबंधन, अवैध प्लाटिंग पर कार्यवाही की स्थिति, सिटी डेवलपमेंट प्लान की स्थिति, नगरोत्थान योजना के प्रस्ताव की स्थिति, अधोसंरचना एवं 15 वें वित्त के कार्यों की स्थिति, संपत्ति कर वसूली की जानकारी (अद्यतन स्थिति), निकायों में निर्वाचन पश्चात् सभापति/उपाध्यक्ष निर्वाचन, एमआईसी पीआईसी गठन की स्थिति, अटल नगर परिसर की निविदा की स्थिति, 15 वें वित्त अंतर्गत संचालनालय को प्रेषित प्रस्तावों की स्थिति, निकायों में बकाया विद्युत बिल के भुगतान की अद्यतन स्थिति, वन डिस्ट्रिक्ट पीपीपी मॉडल की अद्यतन स्थिति, विभाग के सॉफ्टवेयर/साइट में निकायों की जानकारी अद्यतन किये जाने की स्थिति, महालेखाकार/लोकल फण्ड ऑडिट आपत्ति निराकरण के संबंध में जानकारी। इसी प्रकार अतिरिक्त एजेण्डा में सर्वप्रथम प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 अंतर्गत बीएलसी घटक के डीपीआर तैयार कर प्रेषित करने, स्वच्छ भारत मिशन 2.0 अंतर्गत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के तहत जिला स्तरीय सेनेटरी लैंडफिल निर्माण हेतु शासकीय भूमि उपलब्ध कराने, नगर निगम चिरमिरी में स्वच्छता सर्वेक्षण की तैयारी-जीएफसी, ओडीएफ की सहित अन्य ऐजेंडावार की जानकारी वीडियों कांफ्रेंसिंग के माध्यम से शासन को उपलब्ध कराया गया। वही सचिव ने सभी बिंदुओं की समीक्षा करते हुए नगर निगम आयुक्त को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

जिले में मोबाइल मेडिकल यूनिट के संचालन हेतु अस्थाई भर्ती, आवेदन की अंतिम तिथि 24 मार्च

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, राज्य शाखा रायपुर, छत्तीसगढ़ के तहत, जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर को एक मोबाईल मेडिकल यूनिट चलित वाहन के संचालन हेतु छत्तीसगढ़ मूल निवासियों के लिए मानव संसाधन की भर्ती की जाएगी। इस हेतु वॉक-इन-इन्टरव्यू के माध्यम से मानदेय पर अस्थाई नियुक्ति की जाएगी। इच्छुक पात्र उम्मीदवारों को निर्धारित प्रारूप में आवेदन पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट के माध्यम से 24 मार्च 2025 सोमवार शाम 5:00 बजे तक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर छत्तीसगढ़ के कार्यालय में भेजना अनिवार्य है।

जिसमें रिक्त पदों का विवरण निम्नानुसार है- एमबीबीएस चिकित्सा अधिकारी का एक पद उपलब्ध है, जिसके लिए एमबीबीएस डिग्री और सीजी मेडिकल काउंसिल में पंजीकरण अनिवार्य है। इस पद के लिए अधिकतम एकमुश्त वेतन 80,000 रुपये प्रतिमाह निर्धारित किया गया है। वहीं स्टाफ नर्स के लिए एक पद हेतु बी.एस.सी. नर्सिंग, पी.बी.बी.एस.सी नर्सिंग या जनरल नर्सिंग एवं सीनियर मिडवाइफरी प्रशिक्षण आवश्यक है, साथ ही छत्तीसगढ़ नर्सिंग काउंसिल में जीवित पंजीयन होना अनिवार्य है ।

सीबीआई पर आरोप-कोलकाता रेप-मर्डर केस की सही जांच नहीं की

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर केस पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की अगुवाई वाली बेंच ने स्वत: संज्ञान लेते हुए पीड़ित के पेरेंट्स को कलकत्ता हाईकोर्ट में याचिका दायर करने की अनुमति दे दी। परिवार की मांग है कि, इस मामले में सीबीआई ने सही से जांच नहीं की। याचिका में मुख्य आरोपी संजय रॉय के अलावा अन्य आरोपियों के शामिल होने का पता लगाने के लिए आगे की जांच की मांग की गई। पीड़ित के पिता ने कहा, हमने हाईकोर्ट में याचिका दायर करके 54 सवाल पूछे हैं। अदालत को उन सवालों के जवाब देने हैं ताकि मेरी बेटी को न्याय मिले। मेरी बेटी के रेप और मर्डर में कई लोग शामिल हैं। और सबूतों से छेड़छाड़ में कई लोग शामिल हैं। पुलिस ने जांच के लिए डॉग स्क्वॉड को बुलाया था, लेकिन हमें अभी तक इसकी कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। सुप्रीम कोर्ट में एडवोकेट करुणा नंदी ने पीड़ित पक्ष की ओर से बात रखी, जबकि सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता सीबीआई की ओर से पेश हुए।

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में एक आतंकी ढेर

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण रेखा के साथ सटे खुरमोरा राजवार इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ जारी है। मुठभेड़ में एक आतंकी मारा गया और कुछ आतंकी घेराबंदी तोड़कर भागने में कामयाब रहे। भाग निकले आतंकियों को पकड़ने के लिए सुरक्षाबलों का अभियान जारी है। एक सैनिक के घायल होने की सूचना है। अधिकारियों ने यहां बताया कि सुरक्षाबलों ने इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद जचलदारा के क्रुम्हूरा गांव में घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। आतंकवादियों द्वारा सुरक्षाबलों पर गोलीबारी करने के बाद तलाशी अभियान मुठभेड़ में बदल गया। सुबह से जारी मुठभेड़ में एक आतंकी मारा गया है उसके पास से एक असॉल्ट राइफल भी मिली है। 16 फरवरी 2025 जम्मू-कश्मीर में एलओसी पर स्नाइपर फायरिंग, एक भारतीय जवान घायल जम्मू-कश्मीर में एलओसी पर 16 फरवरी को पुंछ सेक्टर में स्नाइपर फायरिंग हुई जहां एक भारतीय जवान घायल हो गया। इस घटना के बाद भारतीय और पाकिस्तानी सैनिकों के बीच कुछ देर तक गोलीबारी भी हुई।

यूपी में प्रोफेसर पर छात्राओं के यौन-शोषण का आरोप

हाथरस (एजेंसी)। यूपी के हाथरस में बागला डिग्री कॉलेज के प्रोफेसर पर 30 से ज्यादा छात्राओं के यौन शोषण का आरोप है। उसके मोबाइल से 65 अश्लील वीडियो मिले हैं। ज्यादातर वीडियो कॉलेज की छात्राओं के हैं। प्रोफेसर ने छात्राओं के कई वीडियो पोर्न साइट पर भी अपलोड किए हैं। एक छात्रा के महिला आयोग को लिखे गए लेटर से मामले का खुलासा हुआ। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। आरोपी प्रोफेसर फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए 3 टीमें बनाई गई हैं। डीएम ने मामले की जांच के लिए 4 सदस्यीय कमेटी बनाई है। कॉलेज मैनेजमेंट ने उसे सस्पेंड कर दिया है। आरोपी प्रोफेसर डॉ. रजनीश 54 साल का है। वह भूगोल पढ़ाता है।

सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से सार्वजनिक प्याऊ किए जाएं प्रारंभ -मुख्यमंत्री

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ग्रीष्मकाल के दृष्टिगत प्रदेश के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिकों के लिए पर्याप्त पेयजल प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं। सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से सार्वजनिक प्याऊ स्थापित कर राहगीरों के लिए भी पीने के पानी का प्रबंध किया जाए। शहरों में प्रत्येक मोहल्ले में पेयजल की उपलब्धता, पानी की टंकियों की स्वच्छता और व्यवस्थित पेयजल वितरण जैसे कार्य सुचारू रूप से सम्पन्न हों। ग्रामों में नल-जल योजनाओं के क्रियान्वयन से ग्रामीण आबादी को लाभान्वित किया जाए। हर घर में टोंटी से जल पहुंचाने के कार्य पूर्ण किए जाएं। जिन क्षेत्रों में पेयजल की समस्या है, वहां लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, स्थानीय

निकाय मिलकर नागरिकों के लिए समाधान की कार्यवाही करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में हुई एक बैठक में पेयजल प्रबंधों की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी श्रीमती संपतिया उइके, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ. राजेश राजौरा एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के जनजातीय बहुल क्षेत्रों में धरती आबा उत्कर्ष अभियान में अन्य विभागों के सहयोग से पेयजल प्रबंध के कार्य भी सम्पन्न किए जाएं। अन्य ग्रामों में एकल ग्राम नल-जल योजना और जल जीवन मिशन के अंतर्गत हर घर जल घोषित ग्रामों में पेयजल की सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। पेयजल प्रदाय के साथ ही स्वच्छता से संबंधित गतिविधियों का भी संचालन किया जाए। पंचायत एवं ग्रामीण विकास और कृषि विभाग के अमले का सहयोग भी पेयजल प्रदाय में प्राप्त किया जाए। पंचायतों के पदाधिकारी और शहरों में नगरीय निकायों के अमले द्वारा पेयजल प्रदाय को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पेयजल के साथ स्वच्छता के कार्यों को पूर्ण कर प्रदेश को, देश में मॉडल बनाया जा सकता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जल गंगा जल संवर्धन अभियान में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की सक्रिय भूमिका की अपेक्षा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अनुपयोगी हैंडपम्पों को उपयोगी बनाने के लिए रिचार्ज करने की योजना का क्रियान्वयन भी प्रदेश में किया जाए।

बैठक में जानकारी दी गई कि प्रदेश में जल जीवन मिशन के प्रारंभ होने से लेकर अब तक 62 लाख 71 हजार 124 कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। यह प्रदेश के कुल घरों एक करोड़ 11 लाख 80 हजार 901 का 63.81 प्रतिशत है। दिनांक 16 मार्च 2025 की स्थिति में प्रदेश के 76 लाख 24 हजार 275 घरों में नल कनेक्शन दिए जा चुके हैं।

चंद्रयान-5 मिशन को केंद्र की मंजूरी

बेंगलुरु (एजेंसी)। इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन के अध्यक्ष वी नारायणन ने रविवार को बताया कि केंद्र सरकार ने चंद्रयान-5 मिशन को मंजूरी दे दी है। वे बेंगलुरु में इसरो चीफ का पदभार संभालने के बाद एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने बताया- अभी तीन दिन पहले ही हमें चंद्रयान-5 मिशन के लिए मंजूरी मिली है। इसमें जापान हमारा सहयोगी होगा। चंद्रयान-3 मिशन के लिए 25 किलोग्राम का रोवर (प्रज्ञान) ले जाया गया था, जबकि चंद्रयान-5 मिशन चंद्रमा की सतह का अध्ययन करने के लिए 250 किलोग्राम वजनी रोवर ले

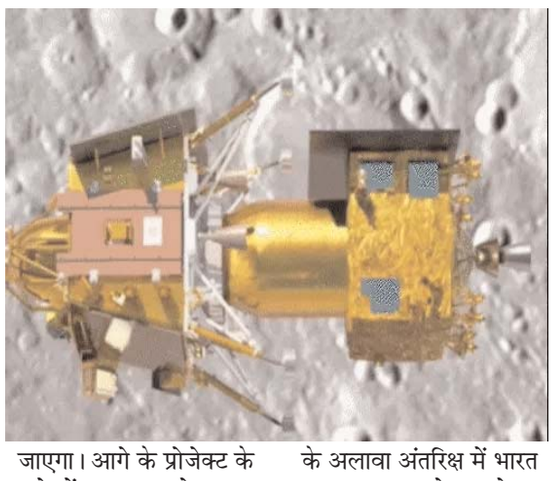

जाएगा। आगे के प्रोजेक्ट के बारे में नारायणन ने कहा- 2027 में लॉन्च होने वाले चंद्रयान-4 मिशन का मकसद चंद्रमा की मिट्टी के नमूने लाना है। वहीं, गगनयान सहित कई मिशनों के अलावा अंतरिक्ष में भारत का अपना स्पेस स्टेशन स्थापित करने की योजनाओं पर काम चल रहा है। सितंबर, 2024 में मिली थी चंद्रयान-4 मिशन को मंजूरी कैबिनेट ने पिछले साल सितंबर में चंद्रयान-4 मिशन को मंजूरी दी थी। इस मिशन का उद्देश्य स्पेसक्राफ्ट को चंद्रमा पर उतारना, चंद्रमा की मिट्टी और चट्टानों के सैंपल इकट्ठा करना और उन्हें सुरक्षित पृथ्वी पर वापस लाना है। इस मिशन पर 2104 करोड़ रुपए की लागत आएगी। इस स्पेसक्राफ्ट में पांच अलग-अलग मॉड्यूल होंगे। जबकि, 2023 में चंद्रमा पर भेजे गए चंद्रयान-3 में प्रपल्शन मॉड्यूल (इंजन), लैंडर और रोवर तीन मॉड्यूल थे। चंद्रयान-4 के स्टैक 1 में लूनर सैंपल कलेक्शन के लिए एसेंडर मॉड्यूल और सतह पर लूनर सैंपल कलेक्शन के लिए डिसेंडर मॉड्यूल होगा।

वडोदरा में चार विदेशी छात्रों पर जानलेवा हमला

वडोदरा (एजेंसी)। वडोदरा की पारुल यूनिवर्सिटी के चार विदेशी स्टूडेंट्स के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। स्टूडेंट्स 14 मार्च की शाम को लिमडा गांव में झील के पास घूमने गए थे। यहां वे एक धार्मिक स्थल पर चप्पल पहनकर बैठे हुए सिगरेट पी रहे थे। इसी दौरान ग्रामीणों से उनकी झड़प हो गई। गांव के करीब दस लोग डंडे, लाठी-डंडे लेकर आ गए और चारों की पिटाई कर दी। जिसमें एक छात्र के गंभीर चोटें आई हैं। चारों का पारुल सेवाश्रम अस्पताल में इलाज चल रहा है। मामल तीन दिन पुराना है शनिवार को पुलिस ने मामला भी दर्ज कर लिया था। लेकिन, रविवार को वीडियो वायरल होने के बाद आरोपियों की पहचान हो सकी। वाघोडिया पुलिस ने इस मामले में 10 हमलावरों के खिलाफ मामला दर्ज कर 2 नाबालिगों समेत 7 को गिरफ्तार कर लिया है। वडोदरा जिले के वाघोडिया के लिमडा गांव में स्थित पारुल विश्वविद्यालय के छात्रावास में रहकर पढ़ाई करने वाले चार छात्रों में से एक थाईलैंड का मूल निवासी सुफाय कंगवान रट्टन बीसीए सेकेंड ईयर, दक्षिण सूडान के निवासी ओडवा एंड्रयू अब्बास आंद्रे वाटारी पेट्रोलियम इंजीनियरिंग के फर्स्ट ईयर, मोजाम्बिक के मूल निवासी तांगे इवेनिलसन थॉमल पेट्रोलियम इंजीनियरिंग के फर्स्ट ईयर और ब्रिटेन के मूल निवासी मोहम्मद अली खलीफ खलीफ मोहम्मद हृदय रोग विशेषज्ञ के रूप में फर्स्ट ईयर के स्टूडेंट हैं।

कांग्रेस-टीएमसी का राज्यसभा से वॉकआउट

नई दिल्ली। बजट सत्र के दूसरे फेज का सोमवार को चौथा दिन है। तृणमूल कांग्रेस, कांग्रेस और लेफ्ट पार्टियों के 10 सांसदों ने मांग की कि सदन की दिनभर की कार्यवाही रोकी जाए और डुप्लीकेट वोटर आईडी पर चर्चा हो। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने इससे इनकार कर दिया। इसके विरोध में कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस ने राज्यसभा से वॉकआउट किया। लोकसभा में महाराष्ट्र से कांग्रेस सांसद वर्षा गायकवाड़ ने लोकसभा में रेल मंत्री पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जब कोई सार्वजनिक उपक्रम वेंटिलेटर

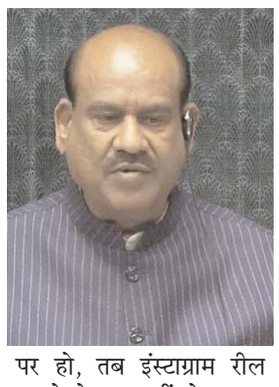

पर हो, तब इंस्टाग्राम रील बनाने से कुछ नहीं होता। यह सरकार के खराब प्रबंधन का असर है। वर्षा गायकवाड़ अनुदान की मांगों पर चर्चा में हिस्सा ले रही थीं। उन्होंने ये भी कहा कि दावा किया जाता है कि रेल बजट में अभूतपूर्व बदलाव किए गए, जबकि ये गलत है। सच ये है कि ये फेल बजट है। मौजूदा सरकार यही नैरेटिव बनाने की कोशिश करती है कि हर विकास 2014 के बाद हुआ। जबकि तथ्य ये हैं कि पब्लिक सेक्टर के उपक्रम खराब स्थिति में हैं। इधर, दोनों पार्टियों के सांसद डुप्लीकेट वोटर आईडी पर चर्चा की मांग कर रहे थे।

बजट सत्र के दूसरे फेज के तीनों दिन (10, 11, 12 मार्च) डीएमके सांसदों ने नेशनल एजुकेशन पॉलिसी और ट्राई-लैंग्वेज को लेकर खूब हो-हल्ला किया।

कांग्रेस ने गुजरात में भारत-पाक बॉर्डर पर अडाणी

स्टालिन बोले-सीतारमण ने भी रुपए का तमिल सिंबल इस्तेमाल किया

चैन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु और केंद्र सरकार के बीच भाषा विवाद को लेकर बयानबाजी जारी है। हाल ही में तमिलनाडु सरकार ने स्टेट बजट में रुपए के सिंबलकी जगह तमिल सिंबल का इस्तेमाल किया था। इस पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि सभी निर्वाचित प्रतिनिधि राष्ट्र की संप्रभुता-अखंडता को बनाए रखने के लिए संविधान की शपथ लेते हैं। क्षेत्रीय गौरव के लिए राष्ट्रीय प्रतीक को बांटना ठीक नहीं है। इस पर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा- केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी रुपए के सिंबल की जगह तमिल सिंबल का उपयोग किया था। ये कोई इतना बड़ा मुद्दा नहीं है। उन्होंने अपनी सरकार का बचाव करते हुए कहा- तमिल का विरोध करने वाले इसे बढ़ा चढ़ाकर पेश कर रहे हैं। यह उनकी सरकार की तमिल भाषा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। दरअसल तमिलनाडु सरकार राज्य के स्कूलों में हिन्दी अनिवार्य करने का विरोध कर रही है। केंद्र सरकार का कहना है कि नई शिक्षा नीति के तहत राज्य तमिल, अंग्रेजी और हिन्दी भी पढ़ाएं।

हरियाणा में महिलाओं को 2100 महीना मिलेंगे

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा में नायब सिंह सैनी की अगुआई वाली भाजपा सरकार ने महिलाओं को हर महीने 2100 रुपए देने का ऐलान कर दिया है। ष्टरूसैनी ने सोमवार को विधानसभा में बजट पेश करते हुए सदन में इसकी घोषणा की। इसके लिए 5 हजार करोड़ रुपए का बजट रखा गया है। सैनी सरकार विधानसभा चुनाव के दौरान किए गए वादे को पूरा करते हुए बजट में महिलाओं को 2100 रुपए प्रतिमाह देने का ऐलान करने जा रही है। सोमवार को मुख्यमंत्री की घोषणा के साथ ही इस पर मुहर लग गई। हरियाणा

सरकार ने इस योजना को लाडो लक्ष्मी योजना नाम दिया है। सीएम सैनी ने बजट पेश करते हुए जब महिलाओं के लिए यह घोषणा की तो सदन में खूब तालियां बजीं। सरकार में शामिल दोनों महिला मंत्रियों श्रुति चौधरी और आरती राव ने मेज थपथपाकर इस घोषणा का स्वागत किया। सीएम के इस ऐलान के बाद सदन में थोड़ी देर के लिए हंसी-मजाक का माहौल बन गया। सीएम ने कहा कि हरियाणा में महिलाओं के लिए बजट की कोई कमी नहीं है। इसके बाद सदन में सत्तापक्ष के सदस्यों ने ठहाके लगाए। सीएम नायब सैनी ने जैसे ही महिलाओं को प्रतिमाह 2100 रुपए देने का ऐलान किया, विपक्ष में बैठे पूर्व सीएम और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा अपनी सीट से खड़े हो गए। उन्होंने पूछा कि इसका क्राइटेरिया क्या है? किन महिलाओं को यह पैसा मिलेगा?

मुंबई एयरपोर्ट पर 8.47 करोड़ रुपए का सोना पकड़ाया

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने 10 किलो सोना जब्त किया है। इसकी मार्केट वैल्यू 8.47 करोड़ रुपए है। एयरपोर्ट के तीन निजी स्टाफ को गिरफ्तार किया गया है। एयरपोर्ट स्टाफ अपने अंडर गारमेंट्स में ये सोना छिपाकर एयरपोर्ट से बाहर ले जाना चाहते थे। कस्टम विभाग ने 13 से 15 मार्च के बीच ये जब्तियां की हैं। सोमवार को इसकी आधिकारिक जानकारी दी गई। पहली जब्ती में एयरपोर्ट के निजी स्टाफ के पैंट की जेब से 6 कैप्सूल मिले। इनमें 2.8 किलो के 24 कैरेट सोने का पाउडर भरा हुआ था। इसकी बाजार कीमत 2.27 करोड़ रुपए आंकी गई है। दूसरी जब्ती में एक अन्य निजी स्टाफ के पास से भी अधिकारियों को 2.9 किलो 24 कैरेट सोने का पाउडर मिला, जिसकी कीमत 2.36 करोड़ रुपए है। यह सोना सात कैप्सूलों में रखा हुआ था। तीसरी जब्ती में एक अन्य कर्मचारी को पकड़ा गया। उसने अंडर गारमेंट्स से 1.6 किलोग्राम 24 कैरेट सोने के पाउडर से भरे दो पाउच बरामद किए गए, जिनकी कीमत 1.31 करोड़ रुपए है। कचरे की थैलियों में 3.1 ग्राम सोने का पाउडर मिला दो अन्य मामलों में कस्टम अधिकारियों ने प्लेन के टॉयलेट और पेंट्री के कचरे से भरे थैलों की तलाशी के दौरान काले रंग की दो थैलियों में 3.1 ग्राम सोने का पाउडर मिला। इसकी कीमत 2.53 करोड़ रुपए है। पहले भी सामने आए थे सोना तस्करी के मामले

3 जनवरी - डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस ने छत्रपति शिवाजी महाराज एयरपोर्ट पर 4.84 करोड़ कीमत के 6.05 किलो सोना जब्त किया था। साथ ही इस तस्करी में शामिल एयरपोर्ट कर्मचारियों के एक गिरोह को पकड़ा था। ये कर्मचारी छोटे-छोटे बैचों में इंटरनेशनल ट्रांजिट टर्मिनल से सोना लाकर, उसे इकट्ठा कर बाहर पहुंचा तस्करी करते थे। जांच में 5 कैप्सूल और 2 पैकेट सोने के पाउडर से भरे मिले थे।

6 मार्च - मुंबई एयरपोर्ट से दो विदेशी नागरिकों को अरेस्ट किया गया। उसके पास से 18.92 करोड़ रुपए कीमत का 21.28 किलोग्राम सोना बरामद किया गया। दोनों के पास से 21 किलो सोने के बिस्कुट मिले हैं।

11 जून, 2024 - दो केन्याई महिलाओं को 32 किलोग्राम सोने के साथ पकड़ा गया था।

तेलंगाना में ओबीसी आरक्षण 23 प्रतिशत से 42 प्रतिशत करने का प्रस्ताव

तेलगांना (एजेंसी)। सीएम बोले- राज्यपाल को 42 प्रतिशत आरक्षण का नया प्रस्ताव भेजा तेलंगाना सीएम ने विधानसभा में कहा- कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वादा किया था कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो ओबीसी आरक्षण को बढ़ाकर 42 प्रतिशत किया जाएगा।

सत्ता संभालने के तुरंत बाद, हमारी सरकार ने जाति जनगणना शुरू की। इससे पहले की कांग्रेस सरकार ने ओबीसी आरक्षण को 37 प्रतिशत तक बढ़ाने के लिए राज्यपाल को प्रस्ताव भेजा था। यह सरकार पहले के प्रस्ताव को वापस ले रही है, अब 42 प्रतिशत आरक्षण का नया प्रस्ताव भेज रही है। हम ओबीसी आरक्षण को 42 प्रतिशत बढ़ाने के लिए आवश्यक कानूनी सहायता भी लेंगे। हम तब तक शांत नहीं बैठेंगे जब तक पिछड़े वर्गों के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण हासिल नहीं हो जाता। 2023 चुनाव से पहले कांग्रेस ने वादा किया

था 2023 में तेलंगाना में हुए विधानसभा चुनाव से पहले तेलंगाना कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने कामारेड्डी घोषणापत्र पर साइन किए थे। तब उन्होंने कहा था कि, अगर राज्य में कांग्रेस की सरकार बनी तो छह महीने के अंदर जातिगत सर्वे के आधार पर स्थानीय निकायों में ओबीसी के लिए मौजूदा 23त्न आरक्षण बढ़ाकर 42त्न कर दिया जाएगा। घोषणा पत्र में ओबीसी के आरक्षण का सब कैटेगराइजेशन भी करने की बात कही गई थी।

प्रस्ताव पास तो हो जाएगा, लेकिन नियमों का उल्लंघन 117 सीटों वाली तेलंगाना की विधानसभा में कांग्रेस के पास 64 विधायक हैं। इसलिए विधानसभा में तो ओबीसी आरक्षण वाला बिल पास हो जाएगा लेकिन इसके लागू होने के बाद तेलंगाना में आरक्षण की सीमा 62 प्रतिशत पहुंच जाएगी। यह सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित किए गए 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा का उल्लंघन होगा।

हिमाचल बजट, लड़कियों को 1500 रुपए

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल के ष्टरूसुखविंदर सुक्खू ने सोमवार को बतौर वित्तमंत्री प्रदेश की कांग्रेस सरकार का तीसरा बजट पेश किया। कुल 58,514 करोड़ का बजट पेश किया गया?, जो पिछली बार से 70 करोड़ ज्यादा है। सीएम ने 2 घंटे 55 मिनट तक बजट भाषण पढ़ा। यह बजट ग्रामीण अर्थव्यवस्था और समाज के कमजोर तबके पर केंद्रित है।

सीएम सुक्खू ने सरकारी विभागों में नाममात्र मानदेय पर काम कर रहे सवा लाख से ज्यादा अस्थाई कर्मचारियों का मानदेय बढ़ाया है। 40 हजार से ज्यादा आउटसोर्स कर्मचारियों का न्यूनतम मानदेय भी बढ़ाकर 12750 किया। आर्थिक संकट के बावजूद सवा दो लाख कर्मचारियों और डेढ़ लाख पेंशनरों को 3 प्रतिशत महंगाई भत्ता दिया गया। 70 साल से अधिक उम्र के पेंशनरों का 1 जनवरी 2016 से लंबित पे-स्केल के एरियर का भुगतान भी एकमुश्त करने का ऐलान किया गया।

इसी तरह जिन किसानों ने तीन लाख तक का लोन ले रखा था और उसका भुगतान नहीं कर पाने की वजह से उनकी जमीन की नीलामी की नौबत आ गई थी, ऐसे किसानों के लिए वन टाइम सेटलमेंट पॉलिसी लाकर मूलधन पर ब्याज का 50 प्रतिशत हिस्सा सरकार ने देने का ऐलान किया। गाय व भैंस के दूध में 6 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी का सीएम ने ऐलान करके हजारों पशुपालकों को बड़ी राहत दी है। इसी तरह 21 साल की उम्र पूरा करने वाली लड़कियों को 1500 रुपए की घोषणा करके मुख्यमंत्री ने चुनावी वादा पूरा करने की दिशा में पहल की है। मुख्यमंत्री सुक्खू ने इस बजट में 25 हजार नौकरियां देने की भी घोषणा की। राज्य के पंचायत और शहरी निकाय के 50 हजार से ज्यादा जनप्रतिनिधियों का मानदेय भी 300 से 1000 रुपए प्रति माह बढ़ाया गया है। इस बार के बजट में 10 नई योजनाएं भी शुरू करने का ऐलान किया गया।

मुंबई इंडियंस के शुरुवाती मैंच में नहीं खेल पाएंगे बुमराह....चोट बनी वजह

मुंबई (एजेंसी)। जसप्रीत बुमराह के इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के शुरुआती दौर के मैचों में नहीं खेलने वाले हैं, क्योंकि मुंबई इंडियंस का स्टार तेज गेंदबाज अभी भी पीठ के निचले हिस्से की चोट से उबर रहे है, इसकारण वे जनवरी से ही प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से बाहर हैं। बुमराह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जनवरी में सिडनी में हुए पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच के दूसरे दिन चोटिल हो गए थे और वे दूसरी पारी में गेंदबाजी नहीं कर पाए थे। एक सूत्र ने बताया कि उनकी चोट से उबरने की प्रगति अच्छी है, लेकिन जून में इंग्लैंड के खिलाफ भारत की टेस्ट सीरीज को देखकर, इस स्तर पर उन्हें पूर्ण फिटनेस हासिल करने के लिए कुछ और समय देना बेहतर होगा। रिपोर्ट के अनुसार पता चला है कि बुमराह के अप्रैल की शुरुआत तक टीम से जुड़ने की उम्मीद है। बुमराह ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए खेली गई सीरीज में शानदार प्रदर्शन करते हुए 32 विकेट लिए थे लेकिन इसके बाद वह कोई मैच नहीं खेल सके। चोटिल होने के कारण वे आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में भी भाग नहीं ले पाए थे, जिसमें भारतीय टीम चैंपियन बनी थी। तेज गेंदबाज को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम में चुना गया था लेकिन फिटनेस हासिल नहीं कर पाने के कारण उन्हें अंतिम टीम में नहीं रखा गया।

आईपीएल 2025- सनराइजर्स हैदराबाद से जुड़ने को तैयार नीतीश रेड्डी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के लिए खेलने को पूरी तरह तैयार हैं। साइड स्ट्रेन की समस्या के कारण जनवरी से बाहर चल रहे नीतीश ने अब अपना फिटनेस टेस्ट पास कर लिया हैं और बीसीसीआई फिजियो ने उन्हें खेलने की मंजूरी दे दी है। 21 वर्षीय नीतीश रेड्डी ने आखिरी बार 22 जनवरी को इंग्लैंड के खिलाफ ईडन गार्डन्स में पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। हालांकि, उन्हें बल्लेबाजी या गेंदबाजी का मौका नहीं मिला। इसके बाद, चेन्नई में दूसरे टी20 मैच से पहले नेट्स में अभ्यास के दौरान उनकी चोट बढ़ गई, जिसके कारण उन्हें पूरी पांच मैचों की सीरीज से बाहर होना पड़ा। नीतीश ने बेंगलुरु में बीसीसीआई के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' में फिटनेस टेस्ट पास किया, जिसमें यो-यो टेस्ट भी शामिल था। इससे पहले, आईपीएल 2024 की नीलामी से पहले सनराइजर्स हैदराबाद ने उन्हें 6 करोड़ रुपये में रिटेन किया था। आईपीएल 2024 में उन्होंने 13 मैचों में 143 की स्ट्राइक रेट से 303 रन बनाए थे और अपनी टीम के लिए एक उपयोगी ऑलराउंडर के रूप में उभरे थे। नीतीश रेड्डी का हालिया फॉर्म भी शानदार रहा है। उन्होंने भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान मेलबर्न में खेले गए चौथे टेस्ट में 114 रनों की यादगार पारी खेली थी, जिससे उनकी बल्लेबाजी क्षमता पर भी भरोसा बढ़ा है।

आईएमएल- वेस्टइंडीज ने श्रीलंका को 6 रन से हराया, अब सचिन-लारा में होगी टक्कर

रायपुर (एजेंसी)। वेस्टइंडीज मास्टर्स ने दिनेश रामदीन के अर्धशतक और ब्रायन लारा की समान रूप से प्रभावीशाली पारी के अलावा टीनो बेस्ट के 4 विकेट पर श्रीलंका मास्टर्स पर छह रन से हराया। इसके साथ ही रविवार को शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में सचिन तेंदुलकर के नेवृत्व वाली इंडिया मास्टर्स के साथ होने वाले इंटरनेशनल मास्टर्स लीग (आईएमएल) 2025 के खिताबी मुकाबले में खेलने का हक हासिल कर लिया। इंडिया मास्टर्स ने ऑस्ट्रेलिया मास्टर्स को हराकर खिताबी मुकाबले में एंट्री मारी थी। ब्रायन लारा ने श्रीलंका मास्टर्स के आक्रमण के खिलाफ 41 रनों की पारी खेलकर अपनी टीम की वापसी करवाई। इसके बाद दिनेश रामदीन के नाबाद अर्धशतक से वेस्टइंडीज मास्टर्स को 179/5 के स्कोर तक पहुंचाया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज मास्टर्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही और ड्वेन स्मिथ सस्ते में पवेलियन लौट गए, लेकिन विलियम पर्किन्स (24) और लेंडल सिमंस (17) ने पारी को संभाला और जैसे ही वे संभलते दिखे, श्रीलंका मास्टर्स ने दो विकेट गिरा दिए।

इससे कैरेबियाई टीम संघर्ष करती नजर आई। हालांकि इसके बाद वेस्टइंडीज के 55 साल के महान खिलाड़ी लारा क्रीज पर आए उनका फुटवर्क हमेशा की तरह चुस्त रहा। बाएं हाथ के बल्लेबाज लारा ने पारी को संभालने की जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली।

डब्लयूपीएल में जीत के साथ ही मुम्बई इंडियंस के नाम हुए सबसे अधिक खिताब

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस ने महिला प्रीमियर लीग (डब्लयूपीएल) के खिताबी मुकाबले मे दिल्ली कैपटल्स को हराकर एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। अब मुम्बई इंडियंस टी20 क्रिकेट की सबसे सफल टीम बन गयी है। पुरुष और महिला वर्ग को मिलाकर उसने अलग-अलग लीग में देखें तो अब तक कुल 12 खिताब जीते हैं। उसने साल 2008 में आईपीएल में जीत के साथ ही अपना अभियान शुरु किया था।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में उसने 2013, 2015, 2017, 2019, 2020 के साथ ही कुल पांच खिताब जीते हैं।

उसने साल 2019 और 2020 में लगातार खिताब जीते हैं।

अंतरराष्ट्रीय टी20 लीग में भी मुंबई इंडियंस ने दो बार खिताब जीता है। साल 2011 में हरभजन सिंह और 2013 में रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम ने शानदार प्रदर्शन किया।

वहीं महिला प्रीमियर लीग में उसेन 2023, 2025 में जीत के साथ ही दो खिताब अपने नाम किये हैं। मुंबई इंडियंस ने 2023 में शुरू हुई डब्ल्यूपीएल के पहले संस्करण में खिताब जीता था। तब टीम को हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में जीत मिली थी।

वहीं अमेरिका में शुरू हुई मेजर क्रिकेट लीग (एमएलसी) में उसे 2023 में एक बार जीत मिली है।

इसके अलावा संयुक्त अरब अमीरात में अंतर्राष्ट्रीय लीग टी20 (आईएलटी20) में टीम को साल 2024 में जीत मिली थी।

इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका में हुए एसए 2025 में मुंबई इंडियंस की सहयोगी टीम, एमआई केप टाउन ने खिताब जीता था।

20 साल बाद फिर आई लव यू का प्लेकार्ड पकड़े पहुंची प्रशंसक को देखकर हैरान हुए जहीर

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान के संन्यास लिए हुए काफी समय हो गया पर अभी भी उनके प्रशंसकों की तादाद काफी अधिक है। जहीर आईपीएल 2025 के लिए लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के कोच बनाये गये है। इसी कारण वह लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के कैंप पहुंचे थे। जहीर जब होटल पहुंचे तो प्रशंसकों और कर्मचारियों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान उनके कई प्रशंसक भी साथ में नजर आये। इन्हीं में एक

ऐसी भी प्रशंसक थी जो आई लव यू लिखा हुआ एक प्लेकार्ड पकड़े हुए थी। जब जहीर को बताया गया कि ये वहीं लड़की थी जोकि 20 साल पहले भारत और पाकिस्तान टेस्ट के दौरान इसी तरह का प्लेकार्ड पकड़े हुए थी तो वह हैरत में पड़ गये। स्वागत वीडियो में, जहीर प्लेकार्ड को देखकर बेहद खुश नजर आये।

जहीर को गौतम गंभीर की जगह पर सुपर जायंट्स के कोच की जिम्मेदारी दी गयी है। वह युवा गेंदबाजी लाइनअप के साथ मिलकर काम करेंगे और उन्हें उनकी कमियों को दूर करने की सलाह देंगे। जहीर ने कहा कि लखनऊ आईपीएल में अपेक्षाकृत नई फ्रेंचाइजी है पर इसकी नींव मजबूत है। उन्होंने साथ ही कहा कि इस टीम ने काफी प्रगति की है। प्लेऑफ में पहुंचने की निरंतरता से ये साबित होता है। इससे मेरा भी मनोबल टीम को लेकर बढ़ा हुआ है। अब मैं फ्रेंचाइजी की सफलता में योगदान देने तैयार हूं। इस सत्र में टीम की कप्तानी विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत कर रहे हैं।

धोनी का वीडियो देख फैंस ने कहा, लगता हैं बाबा माही ने बॉलर्स को वॉर्निंग दे डाली

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल 2025 का आगाज होने वाला है। इसके साथ ही एमएस धोनी के प्रशंसकों का इंतजार बढ़ चुका है। सीएसके नेट्स सेशन से धोनी का ताजा वीडियो सामने आया है। वीडियो को देखकर लगा रहा इस साल भी धोनी अपना अंदाज बदलने वाले नहीं है। ऐसा लग रहा हैं कि माही ने आईपीएल शुरू होने से ही बॉलर्स को वॉर्निंग दे डाली है कि इस सीजन भी उनकी खैर नहीं। वहीं, वीडियो देखकर फैंस का एक्साइटमेंट बढ़ गया है। लोगों के रिएक्शन से साफ जाहिर है कि उन्हें धोनी को खेलते हुए देखने का किस कदर इंतजार है।

धोनी के प्रैक्टिस सेशन का वीडियो एक्स पर आते ही फैंस के कमेंट्स की बहार आ गई है। लोगों ने तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे है। एक यूजर ने लिखा है, सीएसके की पारी का 20वां ओवर। एक अन्य यूजर ने लिखा है कि आईपीएल के अंतिम साल में हम सभी को शायद धोनी की बल्ले से कोई कमाल और देखने को मिले है। कुछ यूजर ने लिखा है थाला दर्शनम और वहीं, एक यूजर ने लिखा है अच्छे टच में नजर आ रहे हैं।

बता दें कि धोनी पूरे साल क्रिकेट से दूर रहते हैं। आईपीएल शुरू होने से कुछ कुछ हफ्ते पहले वे नेट्स पर पहुंचते हैं और प्रैक्टिस शुरू करते हैं। पिछले साल आईपीएल में धोनी अंत के कुछ ओवरों में उतरते थे और बेहद आक्रामक अंदाज में छक्के उड़ाते थे। जिस भी ग्राउंड पर चेन्नई सुपरकिंग्स की टीम खेलने पहुंचती थी वहां धोनी के फैंस का जमावड़ा देखने को मिलता था। बता दें कि चेन्नई सुपरकिंग्स अपना पहला मैच 23 मार्च को खेलेगी। यह मैच इस आईपीएल सीजन का तीसरा मैच होगा। चेन्नई की टीम इस मैच में मुंबई इंडियंस से भिड़ेगी, जो सीएसके के होम ग्राउंड में खेला जाएगा।

भारत के खराडी ने बनाया विश्व रिकॉर्ड, मस्क ने साझा किया वीडियो

सूरत (एजेंसी)। भारत के विस्पी खराडी ने हरक्यूलिस पिलर को सबसे ज्यादा समय तक पकड़ने का नया विश्व रिकार्ड बनाया है। खराडी ने 2 मिनट और 10.75 सेकंड तक विशाल पिलर को थामे रखकर सभी को हैरान कर दिया। इसके लिए उनका नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दर्ज हुआ है। ये खंभे 123 इंच ऊंचे थे और इनका व्यास 20.5 इंच था। 166.7 किलोग्राम और 168.9 किलोग्राम वजन वाले इन खंभों को पकड़कर खराडी ने पिछले सभी रिकार्ड तोड़ दिये।

उनकी इस उपलब्धि को टेस्ला के मालिक एलन मस्क ने भी सोशल मीडिया में साझा किया है।खराडी ने इसके बाद सोशल मीडिया में खुशी जताते हुए लिखा कि मस्क ने उनके प्रदर्शन का एक वीडियो साझा किया है जिससे उन्हें बेहद खुशी हुई। इस वीडियो को मूल रूप से गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के आधिकारिक अकाउंट से जारी किया गया था। खराडी ने सोशल मीडिया में लिखा, यह जानकर वाकई बहुत अच्छा लगा कि मस्क ने मेरा गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड वीडियो सोशल मीडिया में साझा किया है। मुझे इस बात पर बहुत गर्व है कि एक भारतीय की दुनिया भर में प्रशंसा हो रही है। खराडी के नाम कई ब्लैक बेल्ट और 13 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड शामिल हैं। फिटनेस विशेषज्ञ होने के अलावा वह सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के कमांडो को युद्ध का प्रशिक्षण देते हैं।

शमी-बुमराह को फिटनेस दिलाने वाले नितिन पटेल ने लिया पद छोड़ने का फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की स्पोर्ट्स साइंस विंग में बड़ा बदलाव होने वाला है, क्योंकि इसके प्रमुख नितिन पटेल ने इस्तीफा देने का फैसला कर लिया है। वह इस माह के आखिर तक ही अपनी सेवाएं देंगे। पटेल भारतीय क्रिकेट टीम और मुंबई इंडियंस के फिजियोथेरेपिस्ट के रूप में भी काम कर चुके हैं। अब बीसीसीआई जल्द ही उनके स्थान पर नए फिजियो की तलाश शुरु करेगा।

एक रिपोर्ट के मुताबिक नितिन पटेल फिलहाल अपना नोटिस पीरियड पूरा कर रहे हैं। उनका कार्यकाल अप्रैल 2022 में शुरू हुआ था, जो अब खत्म होने वाला है। इस दौरान उन्होंने भारतीय टीम के कई दिग्गज खिलाड़ियों की फिटनेस, वर्कलोड मैनेजमेंट की जिम्मेदारी संभाली।

नितिन पटेल ने मोहम्मद शमी की वापसी में अहम भूमिका निभाई थी। लंबे

समय तक चोटिल रहने के बाद शमी ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में शानदार प्रदर्शन कर भारत को खिताबी जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा पटेल वर्तमान में जसप्रीत बुमराह के रिहैब का भी नेतृत्व कर रहे हैं, जो बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान चोटिल हो गए थे। उनकी देखरेख में श्रेयस अय्यर और जसप्रीत बुमराह ने 2023 वनडे विश्व कप से पहले फिटनेस हासिल की थी। इस विश्व कप में भारत ने फाइनल तक का सफर तय किया था, जहां श्रेयस अय्यर ने 530 रन बनाए थे और बुमराह ने 20 विकेट लिए थे।

पटेल के इस्तीफा देने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने अपने कागजात जमा कर दिए हैं। अब देखना है कि बीसीसीआई इस पद के लिए किसे नियुक्त करता है। जसप्रीत बुमराह अपनी चोट से उबर रहे हैं, और इस बात की अटकलें हैं कि वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के शुरुआती कुछ मैचों से बाहर रह सकते हैं। पटेल का जाना भारतीय क्रिकेट की फिटनेस और चोट प्रबंधन प्रणाली के लिए बड़ी चुनौती बन सकता है।

इस बार आईपीएल-2025 में बदले नजर आएंगे कई टीमों के कप्तान

मुंबई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इस बार कई टीमों ने कप्तान बदले हैं। चेन्नई सुपरकिंग्स की कमान ऋतुराज गायकवाड़ के हाथ में सौंपी गई है। चेन्नई ने पिछले सीजन में ही ऋतुराज को कप्तानी सौंपी थी। जब सभी टीमों के कप्तान फोटो सेशन के लिए आए तब जाकर इसके बारे में पता चला था। वहीं लखनऊ सुपरजायंट्स ने इस सीजन में अपना कप्तान बदला है। लखनऊ ने ऋषभ पंत को टीम कप्तान बनाया है। पंत को एलएसजी की टीम ने 27 करोड़ रुपए की भारी-भरकम रकम चुकाकर अपने साथ किया है। मुंबई इंडियंस ने पिछले साल ही रोहित शर्मा की जगह हार्दिक पांड्या को कप्तान दिया था। हालांकि पिछले सीजन में हार्दिक की खूब आलोचना हुई थी। इसके बाद हार्दिक ने टी20 वर्ल्डकप और चैंपियंस ट्रॉफी में अपने अच्छे खेल से प्रशंसकों का दिल जीता है। उन्हें इस सीजन में समर्थन की उम्मीद है। सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल में काफी संघर्ष

किया है। हालांकि पिछले सीजन में उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस को कमान सौंपी थी। इसके बाद कमिंस एसआरएच को फाइनल तक ले गए थे।

वहीं कोलकाता नाइट राइडर्स ने भी नेतृत्व परिवर्तन किया है। पिछले साल केकेआर को चैंपियन बनाने वाले श्रेयस अय्यर को रिटेन नहीं किया। अब इस साल उन्होंने अजिंक्या रहाणे को कप्तान बनाया है। उम्मीद है रहाणे के अनुभव का फायदा केकेआर को मिलेगा।

पिछले साल जब हार्दिक पांड्या गुजरात का साथ छोड़कर गए थे तो टीम ने उनकी जगह गिल को कप्तान बनाया था। हालांकि गिल के लिए बतौर कप्तान पहला सीजन यादगार नहीं रहा, लेकिन इस साल टीम इंडिया में अच्छे प्रदर्शन के बाद वह अपनी फ्रेंचाइजी के लिए इसे दोहराना चाहेंगे। पंजाब किंग्स ने भी अपना कप्तान बदल दिया है। अभी तक टीम की कप्तानी शिखर धवन कर रहे थे। इस साल पंजाब ने श्रेयस को कप्तानी सौंप दी है।

दिल्ली कैपिटल्स का इस सीजन में कप्तान कौन होगा, इसको लेकर काफी ऊहापोह की स्थिति थी। वजह, उनके खेमे में लखनऊ के कप्तान रहे केएल राहुल भी थे और आरसीबी की कमान संभालने वाले फाफ डू प्लेसिस भी, लेकिन दिल्ली की बागडोर अक्षर पटेल को मिली है। संजू सैमसन लंबे अरसे से राजस्थान रॉयल्स के कप्तान हैं। उनकी कप्तानी में टीम का अच्छा प्रदर्शन रहा है। अब उन्हें कोच के रूप में राहुल द्रविड़ का साथ मिला है। हालांकि टीम से बटलर, चहल और ट्रेंट बोल्ट के जाने की कमी खलेगी, लेकिन सैमसन चाहेंगे कि इस बार वह अपनी टीम से बेस्ट निकालकर दें। फाफ डु प्लेसिस के जाने के बाद आरसीबी के फैन्स चाहते थे कि कप्तानी एक बार फिर विराट कोहली को सौंप दी जाए, लेकिन आरसीबी टीम मैनेजमेंट ने युवा खून के साथ जाने का फैसला किया।

युवक को लाठी-डंडों से पीटा, मौत

ग्रामीणों ने एनएच-30 पर शव रखकर लगाया जाम, समझाइश देने पहुंची पुलिस

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मैहर के धनेडी गांव में होली के दूसरे दिन रंग लगाने को लेकर हुए विवाद में एक युवक की मौत हो गई। शनिवार को गोड़ और यादव परिवार के बीच हुए झगड़े में चार लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे।

घायलों का इलाज कटनी जिला अस्पताल में चल रहा था। इनमें से 28 वर्षीय हरप्रसाद यादव की उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें दोनों पक्षों के लोग एक-दूसरे को लाठियों से पीटते नजर आ रहे हैं।

आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज: पुलिस ने इस मामले में 6 आरोपियों को हिरासत में लिया है। मृतक के परिजनों का आरोप है कि आरोपी कुल 8 हैं। दो आरोपी अभी भी फरार हैं। परिजनों ने बाकी आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है। अमदरा टीआई संजय दुबे ने बताया कि एक व्यक्ति की मौत के बाद आरोपियों के खिलाफ हत्या की धारा भी जोड़ी जाएगी।

एनएच 30 पर शव रख प्रदर्शन कर रहे ग्रामीण: धनेड़ी विवाद में घायल की कटनी में मौत के बाद ग्रामीणों ने एनएच 30 पर पाला गांव में शव रख प्रदर्शन शुरू कर दिया है। हाइवे पर लंबा जाम लग गया है। अमदरा थाने के अलावा आस पास के थानों का बल भी मौके पर पहुंच ग्रामीणों को समझाइश दे रहे है।

फाग गाने निकला था, खेत में मिला शव

3 दिन से लापता था मजदूर, सिर पर चोट के निशान, हत्या की आशंका

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मैहर के देहात थाना क्षेत्र में एक मजदूर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। सोमवार को दोपहर करीब 2:30 बजे एनएच 30 के किनारे भेड़ा गेट के पास स्थित एक खेत में 40 वर्षीय सूरज उर्फ गुड्डू कोल का शव बरामद हुआ। मृतक के सिर पर चोट के निशान पाए गए हैं।

सूत्रों के मुताबिक, सूरज तीन दिन पहले फाग गाने जाने की बात कहकर अपने घर ग्राम तिलौरा से निकला था। देर रात तक वापस न लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की और आसपास के इलाकों में खोजबीन की। सोमवार को परिजन थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए पहुंचे थे, इसी दौरान शव मिलने की सूचना मिली।

प्रारंभिक जांच में हत्या की आशंका जताई जा रही: घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम, सीएसपी राजीव पाठक के नेतृत्व में मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव का परीक्षण किया और जांच में मदद के लिए डॉग स्क्वॉड और एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लैब) की टीम को भी बुलाया। परिजनों ने शव की पहचान करते हुए हत्या की आशंका जताई है। पुलिस ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों को जानकारी दी और मौके पर जांच जारी रखी है।

मामले में पुलिस ने कहा कि प्रारंभिक जांच के बाद ही यह साफ हो सकेगा कि सूरज की मौत दुर्घटना या हत्या के कारण हुई है। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और मामले की गहनता से जांच की जा रही है।

उप मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने सोमवार को सतना पहुंचकर वरिष्ठ समाजसेवी और म.प्र. पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व सदस्य स्व. लक्ष्मी यादव के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने दिवगंत आत्मा की शांति के लिये प्रार्थना की और शोक संतप्त परिजनों से मिलकर ढाढस बंधाया। इस मौके पर महापौर योगेश ताम्रकार, पूर्व स्पीकर नगर निगम बाला प्रसाद यादव, जिलाध्यक्ष भगवती प्रसाद पाण्डेय, बद्री प्रसाद यादव, प्रदीप यादव, पूर्व उपाध्यक्ष जनपद अरविंद सिंह पप्पू, बालेंद्र गौतम, जयराम शुक्ला, विजय तिवारी सहित स्व. यादव के परिजन उपस्थित रहे।

विवाहिता की संदिग्ध मौत, भाई का आरोप- ससुराल वालों ने प्रताड़ित किया, ससुराली बोले- बिस्तर पर लेटे-लेटे हुई मौत

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना जिले के चित्रकूट क्षेत्र के हनुमान धारा गांव में सोमवार को एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका का नाम रेनू देवी प्रजापति था, जो पिछले कुछ समय से अपने ससुराल में रह रही थी। रेनू की मौत के बाद उनके परिवार में शोक की लहर दौड़ गई है।

भाई ने ससुराल वालों पर प्रताड़ना का आरोप लगाया: मृतिका के भाई वीरेंद्र कुमार ने आरोप लगाया है कि उनकी बहन रेनू को ससुराल पक्ष की ओर से प्रताड़ित किया जाता था, जिसके कारण उसकी मौत हुई। वीरेंद्र ने बताया कि रेनू के पति शिवपूजन प्रजापति और ससुराल पक्ष ने उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया, जिसके कारण उसकी जान चली गई। मृतिका के दो छोटे बच्चे हैं, एक साढ़े तीन साल का बेटा आयुष और एक साल की बेटी श्रेया।

ससुराली बोले- बिस्तर पर लेटे-लेटे मौत हुई: वहीं, ससुराल पक्ष का कहना है कि रेनू की मौत बिस्तर पर लेटे-लेटे हुई है और इसे किसी प्रकार की प्रताड़ना से जोड़कर देखना गलत है। नयागांव थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए मृतिका के पति शिवपूजन प्रजापति को हिरासत में ले लिया है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

स्वामी जीयलदास उदासीन जी का वर्सी महोत्सव 22 मार्च से

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतगुरु स्वामी जीयलदास उदासीन जी का 34 वाँ वर्सी महोत्सव श्री संतधाम आश्रम कंवर नगर में महंत स्वामी ईश्वरदास उदासीन जी के सानिध्य में 22 मार्च से बड़ी धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा इस अवसर पर अनेक संत महात्माओं का नगर आगमन होगा। वर्सी महोत्सव को सुचारू रूप से आयोजित करने के लिए 16 मार्च रविवार को स्वामी जी के सानिध्य में आश्रम के सेवादारियों एवं समाज की विशेष बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए आश्रम के ओम प्रकाश उदासीन ने बताया 3 दिवसीय वर्सी महोत्सव का शुभारंभ 22 मार्च शनिवार को प्रातः 5:00 बजे प्रभात फेरी से होगा प्रभात फेरी कंवर नगर सिन्धी कॉलोनी का भ्रमण करते हुए श्री संतधाम में संपन्न होगी। प्रातः 9:00 बजे हवन यज्ञ दोपहर 12:00 बजे दरिंद्र नारायण 6गरीबों व अपाहिजों8 का भंडारा एवं सत्संग संध्या में शाम 7:00 बजे से इंदौर से पधारे साई गुरमुखदास 6साध8 जी द्वारा शानदार भजनीय कार्यक्रम की प्रस्तुती। 23 मार्च रविवार को प्रातः 9:00 बजे संगीतमय सुंदरकांड का पाठ श्री [राम दरबार मंडल द्वारा] दोपहर 12 बजे कन्याभोज एवं शाम 7:00 बजे भजन संध्या का आयोजन किया गया है। 24 मार्च दोपहर 12:00 बजे गुरु श्रीचंद्र सिद्धांत सागर जी का पाठ भोग तप्पश्चात ब्राह्मणों एवं संत समाज का प्रतिभोज व आम भंडारे का आयोजन किया गया है। शाम 7:00 बजे वर्सी महोत्सव मेला समाप्ति का पल्लव व गुरु जी के श्री मुखारिबिंद से संदेश महंत स्वामी ईश्वरदास उदासीन जी व संतदास सेवा मंडल ने समाज के सभी माताओ बहनों बुजुर्गों से सपरिवार व मित्रों सहित वर्सी महोत्सव में शामिल होकर अपना जीवन धन्य बनाने का आग्रह किया है।

शहीद एएसआई के परिवार से मिले डीजीपी

एक करोड़ की सहायता राशि और एक सदस्य को नौकरी का भरोसा दिया

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रदेश के पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना ने सोमवार को सतना के पवैया गांव में शहीद एएसआई रामचरण गौतम के परिवार से मुलाकात की। उन्होंने शहीद की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की और शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी।

डीजीपी मकवाना ने शहीद के बेटों से उनकी शिक्षा के बारे में जानकारी ली। उन्होंने शहीद के बड़े भाई रामजी से परिवार में नौकरी के लिए एक सदस्य के चयन के बारे में चर्चा की। शहीद की पत्नी पुष्पा गौतम को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया।

एक करोड़ की सहायता राशि देगी सरकार: उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार ने कर्तव्य निर्वहन में शहीद हुए एएसआई रामचरण गौतम के परिवार को एक करोड़ रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की है। साथ ही परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी भी दी जाएगी।

यह था मामला: रविवार को मऊगंज जिले के गडरा गांव में हुई हिंसा के दौरान 25वीं बटालियन भोपाल के एएसआई रामचरण गौतम शहीद हो गए थे। उनका अंतिम संस्कार पैतृक गांव पवैया में राजकीय सम्मान के साथ किया गया। डीजीपी मकवाना घटना के बाद से लगातार स्थिति पर नज़र बनाए हुए हैं और रविवार को वे घटनास्थल का भी निरीक्षण कर चुके हैं।

स्व. सावित्री देवी को अर्पित किये श्रद्धासुमन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने सोमवार को पंडित रामदास मिश्रा के मुख्त्यारगंज स्थित निवास पहुंचकर उनकी धर्म पत्नी स्व. सावित्री देवी मिश्रा के निधन पर उनके छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए शोक संवदना व्यक्त की। उन्होंने शोकाकुल परिवार के सदस्यों से मिलकर ढांढस बंधाया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष भगवती प्रसाद पाण्डेय, जयराम शुक्ला सहित स्व. सावित्री देवी मिश्रा के परिजन उपस्थित रहे।

चना, मसूर एवं सरसों के पंजीयन की अंतिम तिथि अब 25 मार्च

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। भारत सरकार की प्राईस सपोर्ट स्कीम अंतर्गत रबी वर्ष 2024-25 (विपणन वर्ष 2025-26) में ई-उपार्जन पोर्टल पर 20 फरवरी से 10 मार्च 2025 तक चना, मसूर एवं सरसों के पंजीयन की तिथि निर्धारित थी।

कृषकों के हित के दृष्टिगत अब शासन द्वारा बढाकर 25 मार्च कर दिया गया है।

कलेक्टर सतीश कुमार एस ने बताया कि जो चना, मसूर एवं सरसों फसल के उपार्जन के पंजीयन कराना चाहते है। वे 25 मार्च 2025 तक फसल का पंजीयन करा सकते हैं।

बीएसएस बैंक से तिजोरी चोरी, चोर काटने के लिए खेत में ले गए, ग्रामीणों की आहट से भागे, 8 हजार रुपए बरामद

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मैहर के अमदरा इलाके में शनिवार रात सड़क किनारे पड़ी तिजोरी का रहस्य खुल गया है। तिजोरी में 8 हजार रुपए नकद मिले हैं, जो बीएसएस बैंक से चुराई गई थी। सोमवार को जब बैंक खुला तो तिजोरी की चोरी का पता चला।

एसपी राजीव पाठक ने बताया कि तिजोरी को काटने के उद्देश्य से चोर सूने खेत में ले गए थे। हालांकि, आवाज सुनकर ग्रामीण एकत्रित हो गए और चोर वहां से भाग निकले। इसके बाद ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी और अमदरा पुलिस ने तिजोरी को थाना लाकर सील कर दिया।

चोरों की तलाश जारी: सोमवार को बैंक के कर्मचारियों की मौजूदगी में तिजोरी खोली गई, जिसमें 8,840 रुपए नकद पाए गए। पुलिस ने तिजोरी को बैंक कर्मचारियों के हवाले कर दिया। अब पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की पहचान कर उनकी तलाश में जुटी हुई है।

पेपरलेस बूथ की प्रक्रिया का प्रचार-प्रसार कराने नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज श्रीवास्तव ने कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को त्रिस्तरीय पंचायत उप चुनाव, नवीन प्रणाली 'पेपरलेस बूथ' के माध्यम से कराने की प्रक्रिया का व्यापक प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा है कि इसके लिये जिला एवं विकासखण्ड स्तरीय नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारी (सेंस) तथा मास्टर ट्रेनर्स नियुक्त कर जानकारी जल्द भेजें।

इनको राज्य स्तर पर प्रशिक्षण दिलाया जायेगा। राज्य निर्वाचन आयुक्त श्रीवास्तव ने कहा है कि नवीन प्रणाली "पेपरलेस बूथ' की जानकारी से मतदाताओं, अभ्यार्थियों एवं राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को परिचित कराया जाना अत्यंत आवश्यक है।

इससे वे निर्वाचन के पूर्व नवीन मतदान प्रणाली से भली भांति परिचित एवं अभ्यस्त हो सकेंगे।

सिन्धी कवि सम्मेलन की तैयारियों पर चर्चा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। अमर बलिदानी शेर ए सिन्ध हेमू कालाणी के जन्मोत्सव पर सिन्धी साहित्य अकादमी म प्र के द्वारा भारतीय सिंधू सभा सतना शाखा के सहयोग से 23 मार्च रविवार सिन्धी गजल कलाम व देश भक्ति गीतो पर आधारित सिन्धी कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया है। जिसकी तैयारियों को लेकर 16 मार्च रविवार को हेमू कालानी पार्क परिसर में संस्थाध्यक्ष श्रीअशोक चांदवानी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। महामंत्री विनोद गेलानी ने बताया आगामी 23 मार्च रविवार को शाम 6:00 बजे से सिन्धी कॉलोनी स्थित श्री माधव गुणवंती सेलिब्रेशन हॉल में कार्यक्रम आयोजित किया गया है इस अवसर पर देश के कोने-कोने से पधार रहे कवि अपनी शानदार प्रस्तुति पेश करेंगे जिन्हें सुनकर आप सभी भाव विभोर हो जाएंगे। गेलानी ने बताया बैठक में 30 मार्च भगवान श्री झूलेलाल जन्मोत्सव पर निकलने वाली वाहन रैली पर भी विचार विमर्श किया गया। बैठक में संभाग प्रभारी श्री विक्रम चौधरी अध्यक्ष श्री अशोक चांदवानी प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य गोपीचंद कापड़ी विजय जग्यासी मनोहर आरतानी महामंत्री विनोद गेलानी युवा शाखा अध्यक्ष विकास सुखेजा इंद्रलाल कापड़ी भरत कामदार गंगाराम सचदेव संजय आहूजा मनीष सदानी पंकज आहूजा भानु हासवानी संदीप तोलवानी मनोज नोतानी संजय नागदेव राजकुमार रोचलानी महेश रावलानी संजय वाधवानी शंकर सेनानी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

सीएम हेल्पलाइन में तीन दिवस में परफार्मेन्स सुधारे पीएचई : कलेक्टर

समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न हुई समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण में गति लाकर अगले तीन दिन में परफारमेंस सुधारने के निर्देश दिये हैं। समय-सीमा प्रकरणों की बैठक में अपर कलेक्टर स्वप्निल वानखडे, नगर निगम आयुक्त शेर सिंह मीना, एसडीएम जितेन्द्र वर्मा, एपी द्विवेदी, सुधीर बेक, लोक निर्माण विभाग बीआर सिंह सहित जिला विभाग प्रमुख अधिकारी मौजूद रहे।

सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की विभागवार समीक्षा में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की ग्रेडिंग 24वें स्थान पर रहने पर कलेक्टर ने अप्रसन्नता व्यक्त की। कलेक्टर ने कहा कि सभी विभाग अपने सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों में शिकायतकर्ता से बातीचत करें और संतुष्टिपूर्ण निराकरण का प्रतिशत बढायें। उन्होंने कहा कि प्रयास करें कि उनका विभाग 'ए' श्रेणी में रहे और कम से कम 15वें स्थान पर आने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि पूर्व की बैठक में दिये निर्देशानुसार राजस्व विभाग को न्यूनतम 48 प्रतिशत और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को संतुष्टिपूर्ण निराकरण का प्रतिशत कम से कम 55 प्रतिशत लाने का लक्ष्य दिया गया था।

प्रयास करें कि निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप संतुष्टिपूर्ण निराकरण किया जाये। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि ग्रीष्मकाल में हैण्डपम्प और पेयजल संबंधी समस्यायें बढ रही है। विभाग के अधिकारी फील्ड में सक्रिय रहे और प्रकरणों के निराकरण की गति बढाकर परफारमेंस सुधारे। तीन दिन का समय देकर कलेक्टर ने कहा कि सुधार नहीं होने पर कार्यपालन यंत्री और सभी सहायक यंत्रियों पर कार्यवाही की जायेगी।

सभी विभाग इन तीन दिनों में सीएम हेल्पलाइन पर फोकस रहे और प्रयास करें कि जिले की ग्रेडिंग 15वें स्थान से ऊपर ही रहे। कलेक्टर ने समय-सीमा पत्रकों की विभागवार समीक्षा की। गेहूं उपार्जन की तैयारियों की समीक्षा में कलेक्टर ने कहा कि उपार्जन कार्य शुरू करने के पूर्व सभी आवश्यक व्यवस्थायें और संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करें। समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा में कलेक्टर ने अन्तर विभागीय मामलों में संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिये।

राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक 19 मार्च को

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी भोपाल के निर्देशानुसार मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक 19 मार्च को सायं 5 बजे संयुक्त कलेक्ट्रेट भवन के सभाकक्ष में आयोजित की गई है। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी स्वप्निल वानखडे ने बैठक में संबंधित अधिकारियों एवं मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को उपस्थित रहने को कहा है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।